RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

# माही की गूंज

www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 41 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 15 जुलाई 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


### सुविचार

आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते, लेकिन अपनी आदतें बदल सकते है और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देगी।

एपीजे अब्दुल कलाम

## आबादी को अनियंत्रित करने में आमिर खान का हाथ- सांसद गुप्ता

**माही की गूंज, मंदसौर।**

मध्यप्रदेश के मंदसौर से बीजेपी सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि, देश की आबादी को अनियंत्रित करने में आमिर खान जैसे लोगों का हाथ है जो कि, देश का दुर्भाग्य ही है। उन्होंने कहा कि, आमिर खान की पहली पत्नी रीना दत्ता 2 बच्चों के साथ, दूसरी किरण राव कहां भटकेगी बच्चे के साथ, उसकी चिंता नहीं, लेकिन दादा आमिर तीसरी खोज में जुट गए हैं। ये संदेश है एक हीरो का... !

उल्लेखनीय है कि, विश्व जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जनसंख्या नीति का ऐलान कर दिया है। वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी जनसंख्या नीति पर जल्द फैसला लेने की बात कर चुके हैं। इसी बिच सुधीर गुप्ता का उक्त बयान बॉलीवुड के साथ राजनितिक हलचल मचा रहा है।

# पहला मौका, एक भी स्टूडेंट फैल नहीं

## यूनिट टेस्ट नहीं दिया वे भी पास, 39 फिसदी फर्स्ट, 43 फिसदी सेकेंड डिवीजन से पास

**भोपाल।** प्रदेश में 10वीं का रिजल्ट बुधवार को शाम 4 बजे जारी कर दिया गया। स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) और सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदरसिंह परमार ने माध्यमिक शिक्षा मंडल में सिंगल क्लिक से रिजल्ट जारी किया। पहली बार 10वीं में एक भी स्टूडेंट फेल नहीं हुआ। साढ़े 10 लाख स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। इसमें से 3 लाख 56 हजार 582 (39 प्रतिशत) फर्स्ट, 3 लाख 97 हजार 762 (43.50 प्रतिशत) सेकेंड और 15 हजार 871 (17.48 प्रतिशत) छात्र थर्ड डिवीजन पास हुए हैं। हालांकि जो भी बच्चे इस रिजल्ट से खुश नहीं हैं, वे आगामी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। यह विशेष परीक्षा 1 से 25 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी।

यह पहली बार होगा कि, 10वीं के रिजल्ट में 100 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। पिछले वर्ष 10वीं बोर्ड की राज्य स्तरीय मेरिट सूची में टॉप 10 स्थानों पर 360 बच्चों ने जगह बनाई थी, इसमें भोपाल के 17 बच्चे थे। परीक्षा में करीब 10 लाख छात्र शामिल हुए थे, 10वीं का रिजल्ट 62.84 प्रतिशत था। इससे पहले 2019 में 61.32 प्रतिशत, 2018 में 66 प्रतिशत रिजल्ट रहा है।

### ऐसे बना रिजल्ट

नई प्रणाली के तहत 10वीं कक्षा के नियमित स्टूडेंट्स के लिए अर्धवार्षिक और प्री-बोर्ड व यूनिट टेस्ट के साथ आंतरिक मूल्यांकन के अंक के आधार पर रिजल्ट तैयार किया गया। इन परीक्षाओं में उपस्थित न रहने वाले स्टूडेंट्स को 33 प्रतिशत अंक देकर पास किया गया। वहीं, प्राइवेट स्टूडेंट्स को भी 33 प्रतिशत अंक देकर पास किया गया।

### 10 अगस्त तक होगा परीक्षा देने हेतु पंजीयन

बोर्ड ने नई प्रणाली के रिजल्ट से असंतुष्ट छात्रों को परीक्षा का विकल्प भी दिया है। यह विशेष परीक्षा 1 से 25 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। इसके बाद इसमें प्राप्त अंकों के अनुसार उनकी मार्कशीट जारी की जाएगी। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने आदेश जारी किए हैं। यानी जिन छात्रों को सरकार के बोर्ड परीक्षा में अंक देने के मूल्यांकन फॉर्मूले पर भरोसा नहीं है, वे परीक्षा की तैयारी शुरू कर सकते हैं। इसके लिए छात्रों को 1 अगस्त से 10 अगस्त तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा।

## मुख्यमंत्री ने दी स्कूल-कॉलेज खोलने की अनुमति

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को प्राइमरी से लेकर हायर सेकेंडरी तक सभी स्कूलों को खोलने की अनुमति दे दी है। उल्लेखनीय है कि, प्राइवेट स्कूल संचालकों ने सरकार को हड़ताल की धमकी दी थी। करीब 8 हजार स्कूल संचालकों ने 12 जुलाई को एक दिन की हड़ताल की थी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, 25-26 जुलाई से कक्षा 11वीं व 12वीं की कक्षाएं चालू होंगी। दोनों कक्षाएं 50 प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति के साथ शुरू की जाएंगी। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, यदि 15 अगस्त तक तीसरी लहर किं स्थिति नहीं रही तो छोटी कक्षाएं भी लग सकेंगी। इसके अलावा 50 प्रतिशत क्षमता के साथ एक अगस्त से कॉलेज भी खुलेंगे।

शिक्षा मंत्री ने कहा था नहीं झुकेंगे पर हो गया बदलाव

प्राइवेट स्कूल संचालकों द्वारा की जा रही हड़ताल के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा था कि, सरकार किसी भी कीमत पर नहीं झुकेगी, जिस दिन प्राइवेट स्कूल संचालकों ने हड़ताल की घोषणा की थी उसी दिन शिक्षा मंत्री ने ट्यूशन फीस वाला आदेश जारी कर दिया था। इससे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ट्यूशन फीस के मामले में घोषणा कर दी थी अब सारी बातों मे बदलाव आ गया हैं।

## धर्म के आधार पर नहीं चलाई जा सकती कल्याणकारी योजनाएं

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि, धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए चलाई जा रहीं कल्याणकारी योजनाएं कानूनी रूप से वैध हैं और ये असमानता को घटाने पर केंद्रित हैं। मोदी सरकार ने कोर्ट में यह भी कहा है कि, इससे हिंदुओं या अन्य समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता।

शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें कहा गया है कि, कल्याणकारी योजनाओं का आधार धर्म नहीं हो सकता। केंद्र ने कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में कहा कि, सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं अल्पसंख्यक समुदायों में असमानता को कम करने, शिक्षा के स्तर में सुधार, रोजगार में भागीदारी, दक्षता और उद्यम विकास, निकाय सुविधाओं या अवसंरचना में खामियों को दूर करने पर केंद्रित हैं।

शपथपत्र में यह भी कहा कि, ये योजनाएं संविधान में प्रदत्त समानता के सिद्धांतों के विपरीत नहीं हैं। ये योजनाएं कानूनी रूप से वैध हैं क्योंकि ये ऐसे प्रावधान करती हैं जिससे कि समावेशी परिवेश प्राप्त किया जा सके और अशक्तता को दूर किया जा सके। इसलिए इन योजनाओं के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदायों के सुविधाहीन, वंचित बच्चों, अभ्यर्थियों की सहायता करने को गलत नहीं कहा जा सकता।

केंद्र ने कहा कि, कल्याणकारी योजनाएं केवल अल्पसंख्यक समुदायों के कमजोर तबकों, वंचित बच्चों, अभ्यर्थियों, महिलाओं के लिए हैं, न कि अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित सभी व्यक्तियों के लिए। याचिकाकर्ताओं नीरज शंकर सक्सेना और पांच अन्य लोगों ने अपनी याचिका में कहा है कि, धर्म के आधार पर कल्याणकारी योजनाएं नहीं चलाई जा सकतीं।

## कांवड़ यात्रा पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, केंद्र व यूपी को भेजा नोटिस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कोरोना महामारी की संभावित तीसरी लहर के बीच कांवड़ यात्रा की अनुमति देने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। जस्टिस रोहिंटन एफनरीमन की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र और यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है, कोर्ट इस मामले की सुनवाई 16 जुलाई को करेगा। कांवड़ यात्रा 25 जुलाई से शुरू होने वाली है, इसमें उत्तरी राज्यों से शिव भक्त अपने क्षेत्रों के शिव मंदिरों में चढ़ाने के लिए उत्तराखंड के हरिद्वार में गंगा नदी से जल इकट्ठा करने के लिए पैदल या अन्य साधनों से यात्रा करते हैं। उत्तराखंड सरकार की तरफसे इस वर्ष कांवड़ यात्रा रद्द करने के बावजूद उत्तर प्रदेश ने इसे जारी रखने का फैसला किया है। उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश में कोरोना के डेल्टा प्लस वेरियंट की पुष्टि होने और संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर कांवड़ यात्रा को स्थगित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, हरिद्वार को कोरोना महामारी का केंद्र नहीं बनाया जा सकता।

## कमलनाथ के बाद अब बघेल ने सिंधिया पर कसा तंज, एयर इंडिया के साथ मंत्री को भी बताया बिकाऊ

**नागपुर एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को अपने पूर्व सहयोगी और अब मोदी सरकार में मंत्री ज्योतिरादित्य संधिया पर जमकर निशाना साधा और 'बिकाऊ' तक बता डाला। हाल ही में नागरिक विमानन मंत्री बनाए गए ज्योतिरादित्य संधिया पर तंज कसते हुए बघेल ने कहा कि, उन्हें एयर इंडिया को बेचने की जिम्मेदारी दी गई है और वे खुद भी बिकाऊ हैं।

नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बघेल ने कहा, वे एयर इंडिया को बेचने जा रहे हैं और मंत्रालय सिंधिया को दिया गया है। एयर इंडिया का लोगो 'महराजा' है। दोनों ही (सिंधिया और एयर इंडिया) बिकाऊ हैं। एक की नीलामी होगी और दूसरे को इसे बेचने की जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब है कि सिंधिया राजघराने के वारिस ज्योतिरादित्य को महाराष्ट्र में 'महाराज' कहकर भी पुकारा जाता है। पिछले वर्ष कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए सिंधियां को उनकी पुरानी पार्टी के नेता के लगातार निशाने पर हैं। नागरिक विमानन मंत्री बनाए जाने के तुरंत बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने उन पर तंज कसा। कमलनाथ ने कहा, यह बीजेपी और सिंधिया के बीच का मामला है, हो सकता है कि वे खुश हों, अब कैसे आगे चलती है गाड़ी वो देखा जाएगा। सिंधियों को कैबिनेट में शामिल किए जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कमलनाथ ने यह बात कही थी।

## एसपी साहब जरा एक नजर इधर भी...

# कब तक अपने रिकॉर्ड को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस लूटपाट करवाती रहेगी...?

बामनिया में दोनो महिलाओं ले दिया पंखा चोरी को अंजाम।

बामनिया में व्यापारी को टेक्नीक जानकारी की बातो में उलझाते हुए बदमाश।

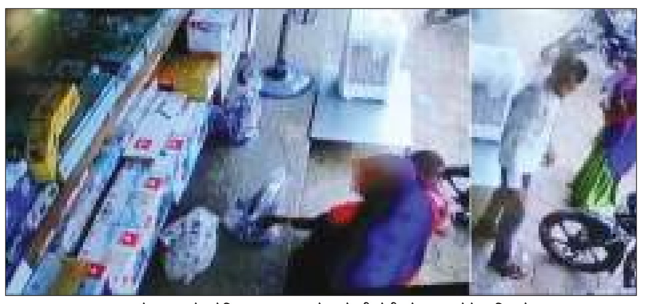

पेटलावद में इलेक्ट्रिक दुकान पर दो पंखो की चोरी को अंजाम देते शातिर चोर।

**माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा**

यह तो सर्वसाधारण विदित है कि, जिले में किसी भी थाना या चौकी क्षेत्र में छोटी-बड़ी चोरियां होती है तो, उसकी रिपोर्ट मिलने के बाद भी पुलिस अपने रिकॉर्ड को दुरुस्त रखने के लिए एफआईआर दर्ज नहीं करती है और न ही मामले में कोई सुराग लगाती है। नतीजन बदमाश, पुलिस की रिकॉर्ड दुरुस्त रखने की पॉलिसी जान चुके हैं और जिले में किसी न किसी थाने व चौकी क्षेत्र में बदमाश, कहा जाए तो प्रतिदिन ही चोरियों को अंजाम देते हैं। कई चोरियों में तो पीड़ित चोरी होने के बाद पुलिस तक को सूचना इसलिए नहीं देता है क्योंकि उन्हें मालूम है कि, पुलिस के पास कई चक्कर लगाने के बाद भी पुलिस न मामला दर्ज करेगी न ही मामले का खुलासा होगा। पुलिस को सूचना देने से क्या मतलब? की सोच के साथ पुलिस के पास रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई जाती है।

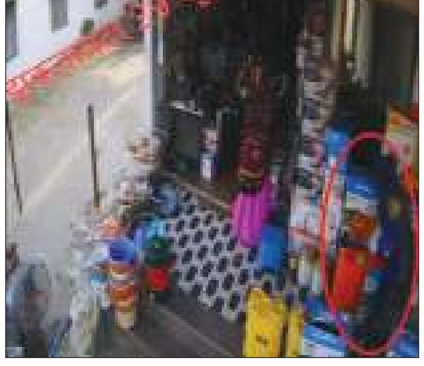

झकनावदा में एक महिला दुकानदार को बातो में उलझा रही तो गोल घेरे में दुसरी महिला टंकी चुराते हुए।

पुलिस के अपने रिकॉर्ड दुरुस्ती अभियान के मद्देनजर अपराधी नित्त नए ढंग से बेखौफ होकर अब दिनदहाड़े ही बदमाशों ने अपनी गैंग बनाकर, जिसमें पुरुष के साथ कई महिलाएं भी शामिल है और दिनदहाड़े ही सुनियोजित तरीके से प्रतिदिन कहीं न कहीं दुकानदार को उलझा कर यह महिला-पुरुष का गैंग दिनदहाड़े चोरी व लूट को अंजाम दे रहे हैं, जिसमें कुछेक चोरी के मामले सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद भी पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं करती है और न हीं अपराधियों के फोटो सार्वजनिक रूप से चस्पा कर मामले का खुलासा करती है।

कहां जाए तो पुलिस ही बदमाशों को श्रेय देकर चोर गैंगस्टर के हौसले बुलंद कर दुकानों पर व अन्य लूट और चोरी की घटनाएं दिनदहाड़े भी करवा रही है, कहा जा सकता है। हाल ही में पेटलावद-रायपुरिया थाना क्षेत्र की बात करें तो झकनावदा में 29 जून को गौरव अग्रवाल की दुकान से कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने की टंकी दुकानदार को एक महिला बातों में उलझा देती है और अन्य एक महिला बाहर रखे सामान में से किटनाशक छिड़काव करने की टंकी चुरा कर चली जाती है और पहली महिला उसके बाद भी दुकान के आगे खड़ी रह कर आराम से रफूचक्कर हो जाती है।

इसी तरह करवड़ के संदीप पाटीदार की दुकान पर पुरुष, दुकानदार को ग्राहक बन बातों में उलझाते है और महिला एक कीटनाशक टंकी की चोरी कर ले जाती है जिसके बाद दुकान से कुछ दुरी पर एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आता है और टंकी चोरी करने वाली महिला उसकी बाइक पर बैठ कर चली जाती है। वही करवड़ में लल्ली सेठ के नाम से जाने जाने वाले व्यापारी की दुकान से 5 लीटर खाद्यान तेल की केन की चोरी भी कर जाते है।

- करवड़ में टंकी चोरी कर अपने चोर साथी के साथ बाईक पर बैठ हुई रफुचक्कर।

पेटलावद में राठौर इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में भी चकमा देकर पुरुष और एक महिला बच्चा लेकर आती है और बड़े शातिर तरीके से दिनदहाड़े एक पंखे को महिला लात मारकर गिराती है और वह पंखा उसका चोर साथी पुरुष ले जाता है, जिसके बाद बगल में बच्चा तोककर आई महिला दूसरे पंखे को भी दिनदहाड़े चोरी कर ले जाती है।

इसी प्रकार बामनिया में 10 जून को रतलाम रोड स्थित बालाजी इलेक्ट्रॉनिक दुकान पर पहले दो पुरुष आते हैं, उनके मोबाइल में टेक्निकल सॉफ्टवेयर की मिस्टेक के बारे में जानकारी लेने का नाटक कर दुकानदार को बातों में उलझाते हैं और एक महिला दुकान के बाहर आती है तथा दूसरी एक और महिला छोटे बच्चे को तोककर आती है और पड़ोस की दुकान के किनारे खड़ी रहती है। पहली महिला आराम से पंखे को काउंटर से उठाकर पड़ोस में खड़ी दूसरी महिला को पंखा दे देती है और दोनों महिलाओं के रफूचक्कर होने के बाद, दोनों पुरुष भी बिना कोई सामान खरीदें चले जाते हैं। जिनके सीसीटीवी फुटेज भी सार्वजनिक हुए एवं पुलिस को भी उक्त सीसीटीवी फुटेज दिए गए लेकिन पुलिस ने किसी भी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की न ही शातिर इन गैंगस्टर चोरों तक पहुंची।

### चोरो की सुचना देने वालो को 5 हजार रूपए के इनाम की घोषणा

बालाजी इलेक्ट्रॉनिक्स संचालक पंकज भटेवरा ने रिपोर्ट दर्ज करवाने के साथ ही शातिर अज्ञात चोरों की पहचान कर प्रथम सूचना देने वाले को 5 हजार रुपए का पुरस्कार भी घोषित किया।

पंकज भटेवरा ने माही की गूंज को बताया कि, पुलिस इन चोर गिरोह पर कार्रवाई नहीं कर रही है, इसी वजह से हर रोज कहीं न कहीं दिनदहाड़े चोरी को अंजाम यह चोर दे रहे हैं। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चोरों को पकड़ना जरूरी है, इसके लिए मेरे द्वारा सूचना देने वाले को 5 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाने के बाद भी अपराध दर्ज नहीं किया है, रोज ही तलाश कर रहे हैं, कहकर चौकी से रवाना कर दिया जाता है।

### लूट के बाद पुलिस कहती है लूट के पैसे ले लो पर एफआईआर दर्ज नहीं करेंगे!

यहां की पुलिस अपने रिकॉर्ड को दुरुस्त रखने के लिए कहती है, लूट की एफआईआर दर्ज मत करवाओ और एसपी तक शिकायत होने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं करना ही यह संकेत देते हैं कि, बदमाशों को सरेआम संरक्षण देकर पुलिस ही चोरी और लूट की वारदातों को बढ़ावा दे रही है।

बता दें कि, 24 जुन 2020 को बाइक से पेटलाद से बामनिया आ रहे व्यापारी मनीष चाणोदिया पर हमला कर लूट को अंजाम दिया था, जिस मामले में एफआईआर दर्ज करवाने हेतु बामनिया चौकी से लेकर झाबुआ एसपी कार्यालय तक लिखित शिकायत कर दी, परंतु एफआईआर दर्ज नहीं की। बामनिया में पदस्थ तात्कालिक पुलिस अधिकारी ने यहां तक कह दिया कि, एफआईआर दर्ज मत करवाओ तुम्हारे लूट में जो भी राशि गई है वह मुझसे ले लो।

व्यापारी मनीष चाणोदिया ने गूंज को बताया कि, पुलिस की कार्य व्यवस्था पूरी तरह से धूमिल हो चुकी है, मेरे द्वारा बामनिया चौकी से लेकर झाबुआ एसपी तक शिकायत की गई और रिपोर्ट दर्ज करवाई। पेटलावद एसडीओपी कार्यालय में बयान भी हुए पर चोरी का खुलासा करना तो दूर की बात रही एक वर्ष बीत जाने के बाद भी मामला दर्ज नहीं किया। बामनिया चौकी पर पदस्थ रहे सोलंकी साहब ने तो यहां तक कह दिया कि, एफआईआर दर्ज करवाने के पीछे क्यों पड़े हो लूट में जो भी राशि गई है वह मेरे से ले लो।

एसपी साहब यह कारनामा आखिर कब तक चलता रहेगा और आपके रिकॉर्ड को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस दुकानों पर चोरियां और सरेआम लूट कब तक करवाते रहोगे...? साहब आपकी एक नजर इधर डालकर इसे रोका जाए, नहीं तो ऐसे अपराध होते-होते यह कितना मूर्त रूप ले सकते है यह शायद हम भी नही बता सकते।

शातिर चोर गिरोह किस तरह से दे रहे है चोरी को अंजाम देखे क्युआर कोड़ स्कैन कर।

# राजस्व विभाग ने मिलकर बेच दी आबादी की पट्टे वाली भूमि

## अतिक्रमण हटाने के नाम पर शासकीय कर्मचारी को कब्जा करवाया, दो मुहा सांप बना राजस्व विभाग

शासकीय शिक्षक के इशारे पर कार्रवाई के बाद शिक्षक ने पत्थर की मूर्ति लगाकर किया अतिक्रमण।

पुलिस बल के साथ मौके पर जेसीबी से अतिक्रमण हटाने पहुँचा राजस्व अमला।

ग्राम पंचायत में पट्टे के नामान्तर की रसीद।

**माही की गूंज, पेटलावद।**

इन दिनों राजस्व विभाग ''जिसकी लाठी उसकी भेंस'' वाली स्थिति में कार्य कर रहा है, राजस्व विभाग की लापरवाही और अनदेखी के कारण आए दिन जमीन विवाद बढ़ रहे हैं, जिसमे लोगो की जान तक जाने की नोबत आ गई है। जब तक विवाद बड़े नही होते तब तक विभाग मौके पर निराकरण तक करने नही पहुँचता। पिछले दिनों बड़े-बड़े विवाद सामने आ चुके हैं, विकास खण्ड के ग्राम छोटी गेहंडी में 9 जुलाई को राजस्व विभाग का अमला मय पुलिस बल के पटवारी हल्का नंबर 7 में गलिया पिता रणछोड़ खड़िया का अतिक्रमण हटाने के लिए पहुँचा। मामले में गलियां खड़िया के पास राजस्व विभाग की और से कोई नोटिस नही आया और मौके पर पहुँची राजस्व टीम एक माह पुराना नोटिस लेकर पहुँच गई ओर जबरन गलियां को एक माह पुराना नोटिस थमाने की कोशिश की। राजस्व अमले ने अतिक्रमण हटाने को लेकर गलिया को बताया, तुम्हारे विरुद्ध प्रकरण प्रस्तुत हुआ है कि, तुम्हारे द्वारा ग्राम की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 472 आबादी भूमि रकबा 0.49 इस जमीन पर अतिक्रमण कर रखा हैं, जिसको हटाने का आदेश हुआ बोलकर अतिक्रमण के नाम पर प्लाट पर पड़ा उकेड़े के ढेर को जेसीबी ओर ट्रेक्टर की मदद से फिंकवा दिया।

जिस भूमि पर से अतिक्रमण हटाया गया वो आबादी मद की भूमि होकर ग्राम पंचायत के अधीन है और मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत की और उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कोई आवेंदन या रिपोर्ट नही की।

### जिसकी बता रहे हैं अतिक्रमणकर्ता, उसके पास है उक्त भूमि में आबादी मद का पट्टा

कोरोना काल में भूमि स्वामी अपने दस्तावेज पेश नही कर सका, न ही उसको तहसील न्यायलय में प्रकरण चलने की जानकारी थी। लगभग एक वर्ष पूर्व भी अतिक्रमण हटाने की कोशिश हुई थी जब ग्राम पंचायत द्वारा पट्टा होने की जानकारी देकर राजस्व अमले को रवाना किया था। वही पट्टे धारी को पटवारी एवं अन्य लोगो ने गुमराह कर राजस्व न्यायलय में नही पहुँचने दिया, जिसके चलते गलियां अपना पक्ष और दस्तावेज प्रस्तुत नही कर सका।

### शासकीय शिक्षक को करवा दिया उसी भूमि पर अतिक्रमण

पूरे मामले में राजस्व अमले की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है, मान लिया जाए की पट्टेधारी द्वारा कोई दस्तावेज पेश नही करने के अभाव में अतिक्रमण मानकर अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी कर दिए। नियमानुसार उक्त भूमि पर ग्राम पंचायत या राजस्व विभाग को अपने कब्जे में लेना था लेकिन अतिक्रमण हटने के अगले ही दिन बरवेट में पदस्थ एक शासकीय शिक्षक द्वारा उक्त भूमि पर कब्जा कर एक पत्थर की मूर्ति स्थापित कर दी और हकाई कार्य करना शुरू कर दिया, जिसे विवादित स्थिति में लोगों द्वारा हटाया गया।

मामले में पटवारी महेश व्यास से जानकारी ली तो उनका कहना है कि, तहसीलदार साहब के आदेश का पालन करवाया गया है, जब पटवारी साहब को कहा गया कि, उक्त अतिक्रमण मुक्त भूमि पर अन्य व्यक्ति द्वारा कब्जा किया जा रहा है तो अतिक्रमण रोकने की बात करने की बजाए उनका कहना है उसका प्रकरण अलग से चलेगा।

वही तहसीलदार जितेन्द्र अलावा का कहना है कि, किसी ओर के द्वारा अतिक्रमण करने की जानकारी नही है मैं जानकारी लेकर बताता हूं।

### पंचायत द्वारा दिया पट्टा नामान्तर भी हो चुका

उक्त भूमि आबादी मद की होकर पंचायत द्वारा गलियां खड़ीया के नाम से पट्टा भी दिया गया है ओर विधिवत उक्त पट्टे की रशीद काट कर नामान्तर पंजी में भी दर्ज किया गया। इतना ही नही गलियां उक्त भूमि के लिए तहसील न्यायलय में दंड भी भर चुका है जिसकी रसीद भी मौजूद हैं लेकिन राजस्व अमले ने अतिक्रमण के नाम पर मौके से गलियां को हटा दिया और मौके पर आए राजस्व टीम के दो गिरदावर, पटवारी, पुलिस को मौके पर गलिया खराड़ी द्वारा कागज बताने की कोशिश भी की लेकिन किसी ने भी कागज नही देखा।

ग्राम पंचायत के सरपंच का कहना है, हमारे द्वारा उक्त भूमि पर गलियां को पट्टा दिया है लेकिन न्यायलय में चल रहे प्रकरण में दस्तावेज पेश करने का काम पट्टाधारक का है, हम कुछ नही कर सकते हमारे पास कोई नोटिस नही आया।

### राजस्व न्यायलय के कई आदेश का अब तक नही हो पाया पालन

राजस्व अमले में कई प्रकरण ऐसे हैं जिसमे शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी कर चुकी हैं, वही कई मामलों में न्यायलय से अतिक्रमणकर्ता को कोई स्टे ऑडर नही होने के बाद भी आर्थिक दबाव में अतिक्रमण नही हटाया जा रहा है। बड़ा उदाहरण ग्राम पंचायत बनी का है जहां राजस्व विभाग सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी कर चुका है लेकिन 8 माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अतिक्रमण नही हटा न ही न्यायलय से अतिक्रमणकर्ता को स्टे मिला। इसी प्रकार ग्राम बामनिया में शासकीय सर्वे नम्बर 80 पर से अतिक्रमण हटाने के न्यायलय तक के आदेश का पालन आज तक नही करवाया गया। राजस्व अमले की भूमिका सीधे-सीधे संदिग्ध नजर आ रही है जो कही न कही बड़ी भेट पूजा करने वालो के पक्ष में लगातार काम करते नजर आ रहे हैं, जिससे आए दिन जमीन विवाद के गंभीर मामले सामने आ रहे हैं जिनमे लोगो को जान तक गवानी पड़ रही है।

# मंगल प्रवेश तथा चातुर्मास की तैयारियां जोरों पर

### 18 जुलाई को मंगल प्रवेश के साथ चातुर्मास होगा आरंभ

**माही की गूंज, झाबुआ।**

तीर्थ प्रेरक तथा माणिभद्र साधक आचार्य देवेश श्री सुयश सूरीश्वरजी मसा तथा मुनिराज श्री सिद्धीरत्न विजयजी आदि श्रमण वृंद का झाबुआ के समीपस्थ श्री माणिभद्र देवझिरी तीर्थ पर भव्य मंगल प्रवेश तथा चातुर्मास आगामी 18 जुलाई से आरंभ होना है। जिसकी तैयारियां आयोजक श्री आदिनाथ राजेन्द्र माणिभद्र पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा जोर-शोर से की जा रही है।

ट्रस्ट प्रमुख निर्मल मेहता ने बताया कि आचार्य तथा मुनिराज का मंगल प्रवेश कालीदेवी तरफ से होते हुए दोपहर करीब 11 बजे देवझिरी तीर्थ पर आगमन होगा। आचार्य तथा मुनिराज शोभायात्रा के रूप में ढोल-धमाकों के साथ आयोजक ट्रस्ट के पदाधिकारी-सदस्यों और समाजजनो की उपस्थिति में देवझरी मंदिर पहुंचेंगे। इसी दिन चातुर्मास भी आरंभ होकर प्रतिदिन मंगल प्रवचन के साथ आचार्य व मुनिराज के दर्शन-वंदन के लिए समाजजनों और बाहर से भी उनके अनुयाईयों का आना-जाना लगा रहेगा। इस दौरान मंदिर पर कई धार्मिक आयोजन भी होना है।

### इंदौर में हुआ आमंत्रण-पत्रिकाओं का विमोचन

उक्त आयोजन की आमंत्रण-पत्रिकाओं का विमोचन पिछले दिनों इंदौर में आचार्य तथा मुनिराज की निश्रा में संपन्न होकर संपूर्ण मालवा अंचल में श्री संघ को यह पत्रिकाएं निमंत्रण स्वरूप पहुंचाई गई है। आचार्य तथा मुनिराज का इंदौर से होते हुए कालीदेवी से देवझिरी तीर्थ पर आगमन होना है। जिसकी तैयारियां आयोजक ट्रस्ट द्वारा की जा रहीं है। मालवांचल की धर्म नगरी झाबुआ में होने वाले आचार्य श्री तथा मुनिराज के मंगल प्रवेश व चातुर्मास को सफल बनाने की अपील श्री आदिनाथ माणिभद्र पारमार्थिक ट्रस्ट मंडल देवझिरी जैन मंदिर से जुड़े वरिष्ठ नैनेश शाह, मनोहरलाल भंडारी, प्रकाशचन्द्र जैन, बाबुलाल कोठारी, सचिन कटारिया, ललित सकलेचा, प्रदीप जैन, प्रतीक मेहता, नीतिन कोठारी, मधुकर शाह, धरमचन्द ढ़ग, महेन्द्र सोलंकी, पोपट जैन, कमलेश लोढ़ा, रिंकू रूनवाल आदि ने समाज के समस्त लोगों से की है।

# बजरंग सेना की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

**माही की गूंज, झाबुआ।**

बजरंग सेना की जिला स्तरीय बैठक मंगलवार को स्थानीय हनुमान टेकरी पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्ययक्ष मयूर पंवार ने की। इस दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर चर्चा होने के साथ मुख्य रूप से संगठन के जिला एवं झाबुआ नगर पदाधिकारियों का पुर्नगठन किया गया।

प्रारंभ में पधारे सभीजनों का स्वागत एवं परिचय हुआ। इस दौरान संगठन के पूर्व जिला पदाधिकारियों का कार्यकाल पूर्ण होने पर नवीन कार्यकारिणी का प्राथमिकता से गठन किया गया। बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणवीर पटेरिया, राष्ट्रीय संयोजक रघुनंदन शर्मा एवं अशोक शर्मा, मप्र अध्यक्ष अमरीश राय एवं प्रदेश प्रभारी सुरेश जायसवाल तथा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र यादव की अनुसंशा एवं सहमति से नवीन पदाधिकारियों के नामों की घोषणा जिलाध्यक्ष पंवार ने करते हुए जिला उपाध्यक्ष मयंक पांडे एवं जगदीश बैरागी झाबुआ, जिला मंत्री हरिश मचार पिटोल एवं अजय अगाश झकनावदा, जिला सचिव स्वीट गोस्वामी, जिला सह-सचिव लोकेश जोशी, जिला एवं झाबुआ नगर मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी, झाबुआ नगर अध्यक्ष गौरव पालिवाल तथा नगर उपाध्यक्ष अनसिंह बिलवाल को बनाया गया। वहीं करड़ावद बड़ी मंडल अध्यक्ष गिरीश गुर्जर को मनोनीत किया गया।

# अशासकीय विद्यालय संघ झाबुआ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**माही की गूंज, झाबुआ।**

अशासकीय विद्यालय संघ झाबुआ द्वारा कोरोनाकाल में पिछले वर्ष 2020 में मार्च माह से लेकर निजी स्कूले बंद होने एवं कक्षा 10 वीं से लेकर 12 वीं तक के विद्यार्थियों की ऑनलाईन शिक्षा और प्राथमिक और माध्यम विद्यार्थियों का अध्ययन कार्य पूरी तरह से ठप्प होने से आ रहीं समस्याओं और विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर सोमेश मिश्रा को ज्ञापन सौंपा गया। शासन का उक्त मांगों की ओर ध्यानाकर्षण हेतु भी विगत 12 जुलाई को प्रदेश के समस्त निजी विद्यालयों में एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल भी की गई।

जिसके बाद मप्र के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने आगामी 25-26 जुलाई से कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं कीं कक्षाएं स्कूलों मे लगाए जाने तथा कॉलेज के छात्र-छात्राओं की 1 अगस्त से कक्षाएं संचालित करने और यदि 15 अगस्त तक कोरोना का प्रकोप इसी तरह सामन्य ही रहता है, तो 15 अगस्त से छोटे बच्चों की कक्षाएं भी स्कूलों में संचालित करने पर भी विचार करने के निर्देश जारी किए है। जिसके बाद मप्र में समस्त शासकीय के साथ विशेष तौर पर अशासकीय स्कूलों और कॉलेजों के संचालकों ने राहत की सांस ली है एवं मप्र के मुख्यमंत्री का इस हेतु आभार भी प्रकट किया है।

### क्या उल्लेख किया गया ज्ञापन में

अशासकीय विद्यालय संघ से जुड़े वरिष्ठ ओम शर्मा, दिप्ती सरन सहित अन्य पदाधिकारियों एवं संचालकों ने सौंपे ज्ञापन में बताया कि विगत 18 माह से पूरा विश्व कोरोना की महामारी से जूझ रहा है। महामारी की द्वितीय लहर ने हमे इसकी भयावहता से परिचित करवाया है और विशेषज्ञों की माने तो महामारी की तीसरी लहर आने की भी संभावना है। इस महामारी से सभी व्यावसायिक क्षेत्र प्रभावित हुए हैं, किन्तु स्कूली शिक्षा सबसे अधिक प्रभावित हुई है। कक्षा नौवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों को छोड़कर जिन्होंने गत सत्र में दो-तीन माह स्कूल अटेंड किया है, अन्य सभी विद्यार्थी विगत 16 माह से स्कूल आकर शिक्षा ग्रहण करने से वंचित है। इससे उनके शिक्षण की ही नहीं, वरन मानसिक एवं शारीरिक विकास की भी हानि लगातार हो रही है। लॉकडाऊन के समय प्राईवेट स्कूल द्वारा ऑनलाइन शिक्षण को जिस प्रकार सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है, वह बच्चों के लिए लाभकारी सिद्ध हुई है, किन्तु केवल ऑनलाइन शिक्षण बच्चों के लिए काफी नहीं है। यह बहुत लंबे समय तक दिए जाने वाला विकल्प भी नहीं है।

### यह रखी गई मांगे

ज्ञापन में कोरोना की तीसरी लहर की संभावना के चलते स्कूल बंद रखे जाने के निर्णय पर अशासकीय विद्यालय संघ के प्रतिनिधियों के साथ पुनः बैठक कर निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए तथा अन्य राज्यों की तरह हमारे प्रदेश में भी विद्यालय निर्धारित मानकों का पालन करते हुए खोलने की घोषणा की जाए। शासन द्वारा निर्देशानुसार अशासकीय विद्यालय संघ झाबुआ के अंतर्गत समस्त अशासकीय विद्यालयों द्वारा किसी भी प्रकार की शुल्क वृद्धि नहीं किए जाने का निर्णय लिया है एवं इसका पालन किया जाएगा। माननीय उच्च एवं उच्चतम न्यायालय के निर्णयानुसार केवल शिक्षण शुल्क (ट्यूशन फीस) ही लेने का आदेश सत्र 20-21 हेतु था, अशासकीय विद्यालय संघ के अंतर्गत समस्त विद्यालयों द्वारा सत्र 21-22 में भी केवल शिक्षण शुल्क ही लिया जाएगा एवं इस संबंध में शासन के समस्त निर्देशों का पालन किया जाएगा।

### नियमों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों पर हो कार्रवाई

आईटीई के अंतर्गत प्रवेशित विद्यार्थी के शिक्षण सत्र 20-21 तक के समस्त प्रकरण, जो कि प्रदेश एवं जिला स्तर पर लंबित है उनकी प्रतिपूर्ति अविलंब की जाए, मप्र शिक्षा विभाग द्वारा मार्च में नोटिस जारी किया गया था कि कोई भी स्कूल बिना टीसी के किसी अन्य बच्चे को प्रवेश नहीं देगा, परंतु कई निजी एवं सरकारी विद्यालय बिना टीसी के बच्चों को प्रवेश दे रहे हैं। ऐसे स्कूलों पर शिक्षा विभाग को बिना किसी पक्षपात के दंडात्मक कार्रवाई की जाना चाहिए, माशिमं से संबद्धता प्राप्त स्कूलों की मान्यता नवीनीकरण 5 वर्ष के लिए कर दी जाए, जैसा कि शिक्षा मंत्री ने स्वयं इस बात की घोषणा की थी। सरकार प्राईवेट स्कूल संचालकों के साथ मिलकर मंथन करे। साथ ही निजी स्कूलों के बारे में निर्णय लेते समय निजी स्कूल एसोसिएशन को निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाना चाहिए आदि मांगे ज्ञापन में रखी गई।

# वरूण देव भगवान की प्रतिमा का पंचम प्रतिष्ठा उत्सव मनाया गया

### - भजन-किर्तन, महाआरती तथा प्रसादी का हुआ आयोजन

**माही की गूंज, झाबुआ।** स्थानीय तुलसी गली स्थित प्राचीन श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में विराजित वरुण देव भगवान की प्रतिमा का पंचम प्रतिष्ठा उत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अरोड़ा समाज नवयुवक मंडल, महिला मंडल, समाजजनों ने परिवार सहित उपस्थित रहकर विभिन्न आयोजन किए। प्रमुख रूप से मंदिर में भजन-किर्तन, दोपहर में महाआरती तथा प्रसादी का आयोजन हुआ।

समाज के युवा हार्दिक अरोड़ा ने बताया कि प्रातरूकाल मंदिर में पूजा-अर्चना पं. प्रकाशचन्द्र त्रिवेदी ने संपन्न करवाई। बाद महिला मंडल द्वारा मंदिर परिसर में बैठकर भजन-किर्तन किए गए। दोपहर में महाआरती में समाजजन तथा श्रद्धालु बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। जिसके बाद सभी को प्रसादी का वितरण किया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वरूण देवजी तथा मंदिर में विराजित खेड़ापति सरकार का अभिषेक कर सुंदर रूप से श्रृंगार किया गया। अभिषेक के लाभार्थी महेशचन्द्र हेमेन्द्र कुमार अरोड़ा (पीलूभाई) रहे। पूरा कार्यक्रम संक्षिप्त रूप से तथा कोविड के नियमों के पालन के साथ हुआ।

# जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

माही की गूंज, झाबुआ। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 15 जुलाई को आयोजित की गई है। जिले में आगामी त्यौहार 21 जुलाई को ईदुज्जुहा व 22 अगस्त को रक्षाबंधन तथा आगामी दिनों में आने वाले पर्वो जैसे जन्माष्टमी, आदिवासी दिवस, गणेश चतुर्थी, मोहर्रम, ढोलग्यारस, दीपावली आदि पर्व हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक शाम 5.30 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में रखी गई है। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस झाबुआ, थांदला, पेटलावद तथा पुलिस थाना प्रभारी झाबुआ, राणापुर, कालीदेवी, रायपुरिया, थांदला मेघनगर, कल्याणपुरा अपने क्षेत्र में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक के सदस्यों को अपने स्तर से कृपया सूचित करने का कष्ट करेंगे।

# पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के साथ भोपाल में हुई बर्बरता को लेकर युथ कांग्रेस ने जताया विरोध

## गृह मंत्री का पुतला जला रहे कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने की हुज्जतबाजी

पूर्व मुख्यमंत्री सिंह के साथ हुई घटना को लेकर झाबुआ बस स्टेंड पर विरोध प्रकट करते हुए युथ कांग्रेस के पदाधिकारी–कार्यकर्ता।

पर पहुंचे प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी।

**माही की गूंज, झाबुआ।**

मप्र की राजधानी भोपाल में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह के साथ पुलिस द्वारा की गई बर्बरता को लेकर मप्र युवक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया के निर्देश पर संपूर्ण प्रदेश में युथ कांग्रेस और एनएसयूआई ने अपना उग्र विरोध प्रदर्शन किया। प्रशासन और पुलिस की सख्ती के बीच दोनो संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी के साथ प्रदेश के गृह मंत्री का पुतला दहन किया।

झाबुआ में युथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय भाबोर के नेतृत्व में शहर के बस स्टेंड स्थित फव्वारा चौक पर पुतला दहन कार्यक्रम रखा गया। जिसकी सूचना जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को पूर्व से ही लगने पर सुबह 10 बजे से ही बस स्टेंड पर पुलिस की भारी तैनाती हो गई। मौके पर एसडीएम सोहन कनास, एसडीओपी इडल मोर्य, तहसीलदार प्रवीण आहोरिया एवं थाना प्रभारी झाबुआ सुरेन्द्रसिंह गाडरियार भी पहुंचे। वहीं दोपहर करीब 12 बजे युथ कांग्रेस के पदाधिकारियों में जिलाध्यक्ष विजय भाबार, विधानसभा अध्यक्ष हेमेन्द्र बबलू कटारा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गौरव सक्सेना, पार्षद पति अब्दुल इनायत शेख, संजय परमार, रोहित हटिला, अजय डामोर, दरियाव सिंगाड़ सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी पहुंचकर अपना विरोध प्रकट करना आरंभ किया। प्रशासन और पुलिस को शासन से गृह मंत्री का पुतला दहन नहीं होने देने के सख्त निर्देश थे।

### जैसे ही पुतला दहन किया तो पुलिसकर्मी दौड़ पड़े

यहां वरिष्ठ अधिकारियों और भारी पुलिस बल के बीच भी युथ कांग्रेस ने नारेबाजी के साथ जैसे ही गृह मंत्री का पुतला दहन करना चाहा, तो पुतले को छीनने के लिए पुलिसकर्मी दौड़ पड़े। इस बीच पुतला दहन करने तथा रोकने को लेकर दोनो पक्षों में हुज्जबाजी भी हुई। जले पुतले पर पुलिसकर्मियों ने बाल्टी से पानी डाला। इसके विरोध स्वरूप मौके पर ही युथ कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने मप्र सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ हाय-हाय के नारे भी लगाए। पुतला दहन के दौरान पानी की बौछार के लिए फायर ब्रिगेड भी मौजूद रहीं।

### प्रदेश में कानून व्यवस्था हुई लचर

इस दौरान अपने उद्बोधन में युथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष भाबोर ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से लचर हो गई है। मप्र सरकार और उनके मंत्री मनमाना और तानाशाीपूर्ण रवैया अपना रहे है। अपने पद को दुरपयोग करते हुए भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री सिंह जैसे राष्ट्रीय स्तर के नेता के साथ सरकार के ईशारे पर जो पुलिस ने बर्बरता की। इस घटना की हम कड़े शब्दों में निंदा करते है। साथ ही मांग करते है कि सरकार और पुलिस प्रशासन इस कृत्य के लिए माफी मांगे।

# गूंज की पहल से सक्रिय हुए विधायक वालसिंह मैड़ा, पुल के लिए दिया धरना

## कलेक्टर ने धरनास्थल पर पहुंचकर दिया आश्वासन, धरने के पूर्व ही हो गई थी विज्ञप्ति जारी

- कार्यकर्ताओ के साथ धरना स्थल पर बैठे विधायक।

- रातों-रात हुआ वैकल्पिक मार्ग पर डामरीकरण, बारिश में कीचड़ की समस्या से मिल सकेगी निजाद।

- लम्बे समय से टूटा पडा पुल।

**माही की गूंज, रायपुरिया। उमाशंकर पाटीदार**

रायपुरिया-झाबुआ मार्ग पर क्षतिग्रस्त हुए पुल को लेकर गूंज द्वारा लगातार पहल की जा रही थी। पूर्व में गूंज द्वारा उठाई इस जनसमस्या को लेकर भाजपा नेता अजय जैन लोक निर्माण मंत्री से मुलाकात कर पुल क्षतिग्रस्त होने से हो रही समस्याओं से अवगत करवा चुके थे। लेकिन पिछ्ले 2 वर्ष से भी अधिक समय से इस पर कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। ऐसे में मौके को भुनाते हुए क्षेत्र के विधायक वालसिंह मैडा ने प्रशासन को धरने की धमकी देकर सुर्खिया बटोर ली, लेकिन धरने के लिए दिया समय बीत जाने के बाद गयाब हो गए। गूंज की खबर के बाद विधायक ने ताबड़तोड़ धरने की घोषणा ओर तारीख तय कर दी।

### कार्यकर्ताओ के साथ पहुंचे धरना स्थल पर

वादे के मुताबिक विधायक वालसिह मैडा अपने कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को झाबुआ चोराहे से रेली निकालकर रायपुरिया-झाबुआ मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया पर पहुचे, जहा अपने कार्यकर्ताओं के साथ धरना प्रदर्शन किया। पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद से पुल नही बनने पर आवागमन में आ रही दिक्कतों से आमजन, सरकार के साथ विधायक को भी कोस रहे थे। हालांकि विधायक ने प्रशासन को कई बार अवगत कराया, लेकिन पुल नही बना तो जनता को किए वादे के मुताबिक विधायक को धरना देना पडा।

**विभाग ने रातों-रात वैकल्पिक मार्ग पर किया डामरीकरण**

### वैकल्पिक मार्ग रातों-रात किया तैयार

सोमवार को विधायक के धरने पर बेठने से पहले ही लोक निर्माण विभाग ने क्षतिग्रस्त पुलिया का वैकल्पिक मार्ग पर रातो-रात डामरीकरण कर दिया। हालांकि कुछ दिन पूर्व ही जिला कलेक्टर ने उक्त पुल के निर्माण के लिए विज्ञप्ति जारी करने ओर वैकल्पिक मार्ग को डामरीकरण करने के निर्देश जारी कर दिए थे। लेकिन प्रशासन के सामने विधायक भी अपनी बातों को लेकर अड़े रहे ओर भाजपा व शिवराज सरकार पर नारे बाजी करते रहे। करिबन 4 घंटे तक धरना प्रदर्शन किया गया ओर विधायक ने कहा, जहां तक जिला कलेक्टर या जिले का कोई बड़ा अधिकारी हमको आकर आश्वासन या हमसे बात नहीं करेगा वहां तक हम यहीं बैठे रहेंगे।

### विभाग के आश्वासन से संतुष्ट नही हुए विधायक, जिला कलेक्टर को आना पड़ा

धरने पर बैठे विधायक और उनके कार्यकर्ता को आश्वासन देने के लिए जिले के लोक निर्माण विभाग के जिला अधिकारी वीएस परमार पहुंचे। उन्होने बताया कि, जल्द ही इसका टेन्डर जारी कर निर्माण कार्य शुरु कर दिया जाएगा ओर तीन माह मे बना दिया जायेगा। तो उनसे भी विधायक ने एक ही रट लगा रखी कि, जहां तक कलेक्टर साहब स्वयं नहीं आएंगे वहां तक हम धरने पर अटल रहेंगे। जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा स्वयं मौके पर पहुंचे ओर पुल निर्माण की कार्य योजना बताई।

### कोरोना की तीसरी लहर नही आई तो शुरू होगा निर्माण

धरनास्थल पर पहुंचे जिला कलेक्टर ने विधायक को बताया कि, यदि कोरोना की तिसरी लहर नहीं आती है तो 10 अगस्त तक इसका टेन्डर खुलेगा, वेसे ही भूमिपूजन कर 3 माह में कार्य पुरा कर दिया जाएगा। कलेक्टर ने विधायक वालसिह मैडा को ठंडा शरबत पिलाकर धरना प्रदर्शन को विराम दिलाया। धरना प्रदर्शन में कांग्रेस के कई क्षेत्र के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने की चैक डैम निर्माण में जाँच की मांग

**माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय**

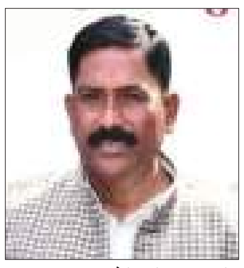

जनपद पंचायत पेटलावद क्षेत्र के अंतर्गत इस वर्ष पानी रोकने के लिए 77 ग्राम पंचायतों में लगभग तीन सौ से अधिक चेक डैम बनाए गए है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह राठौर ने शिकायत करते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा से निष्पक्ष चेक डेम की जांच की मांग की है। राठौर ने आरोप लगाया कि, फर्जी मस्टर भरकर मसीनो से काम कराया गया, मैनेजमेंट बुक से स्थल निरीक्षण करा कर ग्राम सचिवो के द्वारा किए गए मूल्यांकन तथा भरे गए मस्टरों के नाम की वास्तविक जाँच कराने से चोकाने वाले घोटाले सामने आ सकेंगे। उन्होंने कहा कि, आरईएस द्वारा बनाए गए तालाब बिना पड़ल भरे सुखी मिट्टी से बनाकर मनमानी तरीके से मूल्यांकन कर लाखो रुपए की बंदरबांट कर दी गई है। राठौर ने शिकायत में कहा कि, जनपद पंचायत पेटलावद क्षेत्र की 77 ग्राम पंचायत में हर पंचायत में 5 से 10 चेक डैम बनवाए गए हैं इस तरह करीब 300 से अधिक चेक डैम बने हैं। कलेक्टर से इसकी निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है।

# कलेक्टर ने लेखापाल को निलंबित कर दिए जांच के आदेश

**माही की गूंज, मेघनगर। भुपेन्द्र जैन**

विकासखंड मेघनगर के शिक्षा विभाग बीईओ कार्यालय में लेखापाल पद पर पदस्थ हुए थावरचंद वर्मा को एक ही पद पर 20 वर्ष से अधिक समय मेघनगर में हो चुका हैं। पूर्व में मेघनगर से तबादला अलीराजपुर में हुआ था परंतु सांठ-गांठ के चलते थावरचंद वर्मा ने अपना तबादला लिया। सुत्रों के अनुसार थावरचंद वर्मा आज करोड़ों की संपत्ति का मालिक है व रतलाम, पेटलावद, मेघनगर के साथ अन्य जगहों पर चल-अचल संपत्ति बना रखी है।

कुछ वर्ष पुर्व मदरानी का संतोष नाम के व्यक्ति जिसके पिता की मृत्यु कोरोना से हो गई थी, जिससे वह व्यक्ति पैसों के लिए परेशान हो गया था। जब संतोष उसके पिता की जमा राशि लेखापाल थावरचंद वर्मा से लेने गया तो उसे पैसे के लिए परेशान किया गया, आज-कल आना या परसों आना के कई तरह के बहाने बनाए गए। संतोष से लेखापाल ने पैसों के लिए रिश्वत की मांग भी की। संतोष पुरी तरह से परेशान होकर कलेक्टर के पास पहुंचा सारी बात बताई, जिस पर विकासखंड मेंघनगर के शिक्षा विभाग कार्यालय के पदस्थ थावरचंद वर्मा लेखापाल को कलेक्टर सोमेश मिश्रा के आदेश पर निलंबित किया गया, वहीं जांच के लिए टीम बनाई गई है।

# नल-जल योजना के निर्माण में लापरवाही, सड़क पर निकलना हुआ दुश्वार

## गंभीर बीमारियों को आमंत्रण दे रही पंचायत, स्वच्छता अभियान को लग रहा पलीता

**माही की गूंज, अमरगढ़।**

बारिश का इंतज़ार सभी को था और बारिश हुई भी, बारिश के बाद किसानों के चहरे खिल गए लेकिन बारिश अपने साथ परेशानी भी लेकर आई। ग्राम पंचायत अमरगढ़ में ग्राम पंचायत और नल-जल योजना का कार्य कर रही कंपनी की लापरवाही के कारण रहवासियों के साथ-साथ मुख्य मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को किचड़, गड्ढो व टूटी सड़क से गुजरने को मजबूर होना पड़ रहा है जो नल-जल योजना में सड़क के किनारे डाली पाइप लाइन से और भी ख़राब होकर कीचड़ से भरी है। उक्त मार्ग बामनिया से होकर स्टेट हाइवे थांदला-बदनावर को जोड़ता है साथ ही रेल्वे स्टेशन होने की वजह से यहां वाहनों की आवाजाही लगी रहती हैं। हल्की बारिश में ही सड़के कीचड़ से सन जाती हैं, ग्राम पंचायत द्वारा सड़क से पानी की निकासी के लिए कोई व्यवस्था नही है। जिसके चलते ग्राम के इस भाग में पूरे वर्ष गंदगी जमी रहती है, लेकिन बारिश में भारी कीचड़ का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में ग्राम पंचायत में नल-जल योजना के लिए लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है ठेकेदार द्वारा लाइन बिछाने के लिए खोदी गई नाली को ठीक से बन्द नही किया और नाली से निकली मिट्टी ने कीचड़ का रूप ले लिया, जो परेशानी का सबब बना हुआ है।

### स्कूल, उपस्वास्थ्य केंद, पंचायत, सोसाइटी सभी इसी मार्ग पर

उक्त मार्ग से केवल रहवासी ओर वाहनों की परेशानी नही बड़ी है। उक्त मार्ग पर ग्राम के अधिकांश सरकारी भवन बने हुए जसमे स्कूल, सोसायटी, उप स्वास्थ्य केंद्र सहित ग्राम का पंचायत भवन भी बना हुआ है, जहाँ आमजन व पंचायत के जिम्मेदारो का आना-जाना लगा रहता है इसके बाद भी पंचायत के जिम्मेदारो ने इसकी कोई सूद नही ली।

### बीमारी फैलने का डर, गतवर्ष फैल चुका है डेंगू ओर चिकनगुनिया

सड़क पर फैली गंदगी के कारण बीमारी फैलने का डर है। कोरोना बीमारी का सामना होने ओर प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान के बाद भी यहां कोई सुधार होता नही दिख रहा है, यहां हमेशा बीमारी फैलने का खतरा मंडराया हुआ रहता है। गत वर्ष भी ग्राम पंचायत के लोग चिकनगुनिया ओर डेंगू जैसी बीमारियों की चपेट में आ चुके है, बावजूद गंदगी से बचाव की कोई व्यवस्था नही कर बीमारियों को खुला आमंत्रण देने के साथ-साथ प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान को पलीता लगाया जा रहा है।

# नगर का ट्रेचिंग ग्राउण्ड बना विद्यालय के लिए परेशानी का सबब, बढ़ रही श्वास संबधी बीमारी

**माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट**

- ट्रेचिंग ग्राउण्ड पर आग बुझाता नगर परिषद फायर बिग्रेड।

नगर के ट्रेचिंग ग्राउण्ड की वजह से केन्द्र सरकार के सर्वोच्च शिक्षण संस्थान नवोदय विद्यालय के हाल बेहाल हो रहे है, प्रतिदिन क्विटलो कचरा टेॅचिग ग्राउण्ड मे डाला जा रहा है, लेकिन उसके निपटान के लिए नगर परिषद अभी तक कोई कार्य योजना नही बना पाई है।

नवोदय विद्यालय के प्राचार्य नन्हेलाल झरिया व परीक्षा प्रभारी संतोष चौरसिया ने बताया कि, कचरे की बदबू व गंदगी से हमारा जीना दुश्वार हो गया है, हवा के साथ चारो तरफउडता कचरा और उससे परेशान आस-पास के लोग कचरे मे आग लगा देते है, जिससे जहरीला धुंआ निकलता है जो हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुचा रहा है। नगर परिषद को शिकायत करने पर फायर ब्रिगेड भेजकर आग पर पानी डाल दिया जाता है उससे और ज्यादा संडाध उत्पन्न हो रही है। हमारे कई साथी श्वास संबधी बीमारीयो से ग्रसित हो रहे है, वही एक साथी केसंर से ग्रसित है जिनका उपचार जारी है। यदि इस समस्या का स्थायी हल नही निकाला गया तो यहॉ रहकर कार्य करना मुश्किल हो जाएगा जिससे क्षैत्र के बच्चो का नुकसान होगा।

गौरतलब है कि, टेचिग ग्राउण्ड के पीछे स्थित मॉडल स्कुल का चयन सीएम राईज संस्था के लिए किया गया है जिसमे हजार के करीब बच्चे पडेगे तब उनके स्वास्थ्य पर क्या असर होगा उसके लिये भी प्रशासन को विचार करना होगा। कोरोना की मार से वीरान पडे शिक्षण संस्थानो कों हालात सामान्य होने पर इस वर्ष से खुलने के आसार है। जब स्कुल प्रांरभ होगे और स्कुल मे बच्चो का आयेगे तब उनके स्वास्थ्य पर भी धुए और गंदगी का प्रतिकुल प्रभाव होगा। नगर परिषद नगर मे अनपयोगी स्थानो पर निर्माण कार्य मे लाखो व्यय कर रही है लेकिन वर्षो से लंबित टैॅचिग ग्राउण्ड की समस्या का कोई निदान नही कर पा रही है टेंॅचिग ग्राउण्ड नगर की स्वच्छ छवि पर प्रष्न चिन्ह लगा रहा है। क्या इस तरह से स्वच्छता मे नंबर वन बना जा सकता है।

# कोरोना व ब्लेक फंगस का प्रभाव कम करने के लिए किया महायज्ञ

**माही की गूंज, थांदला।**

पूरे विश्व मे फैली कोरोना महामारी, ब्लेक फंगस जैसी बीमारी के प्रभाव को कम करने के लिये महर्षि दयानंद सेवाश्रम शाखा थांदला ने ग्रामीणो के सहयोग से ग्रामीण क्षैत्रो मे आचार्य विष्वामित्र के सानिध्य मे रोग निवारण महायज्ञ व निःशुल्क काढा वितरण का आयोजन प्रारंभ किया।

सेवाश्रम के प्रभारी आचार्य दयासागर ने बताया कि, समीपवर्ती ग्राम सजेली मे आयोजित महायज्ञ मे 11 जोडो ने आहुतिया प्रदान कर धर्मलाभ लिया। ऐसे ही महायज्ञ क्षैत्र के अन्य ग्रामो मे भी आयोजित किए जाएंगे। सेवाश्रम के द्वारा कोरोना महामारी मे अन्न वितरण, बच्चो मे वैदिक धर्म-कर्म का प्रचार आदि कार्य किए जाते रहे है।

आचार्य विष्वामित्र ने महायज्ञ के महत्व बारे मे विस्तार से बताते हुए कहा कि, रोग निवारक वेदिक महायज्ञ मे देशी आयुर्वेदिक जडी बुटियो से निर्मित हवन सामग्री तथा शुद्व घी से आहुतियां दी जाती है। यज्ञ के पश्चात आर्युवेदि जडी बुटियां मोथाबच, तुलसी, कालीमिर्च, गिलोय, सोंठ, पीपली, अदरक, लौग से निर्मित काढे का वितरण लोगो को किया जाता है जिससे मनुष्य रोग प्रतिरोधक क्षमता बढती है। ग्राम सजेली मे 200 लोगो को काढा वितरण किया गया। इसके साथ ही आचार्य ने वेक्सीन का टीका लगाने की अनिवार्यता बताई।

# दुर्घटना में हुई मौत के मामले में परिवार ने 24 दिन बाद लगाया हत्या का आरोप

## संदेहास्पद परिस्थितियों को अनदेखा किया पुलिस ने, परिवार ने करणी सेना के साथ एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन

एसडीओपी कार्यलय पर जांच के लिए आवेदन देते परिवारजन व करणी सेना के कार्यकर्ता।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन।

- मृतक सनी।

**माही की गूंज, पेटलावद।**

गत माह 22 जून को रायपुरिया-बोलासा मार्ग पर देर रात हुई वाहन दुर्घटना में रायपुरिया के युवक की मौत हो गई थी। प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना ही माना जा रहा था, लेकिन युवक की मौत के बाद से हत्या ओर किसी वारदात की आशंका की चर्चा चल रही थी। जवान बेटे की मौत से दुखो का पहाड़ परिवार पर टूट पड़ा था, युवक की शादी को एक माह भी पूर्ण नही हुआ था कि काल का ग्रास बन गया।

घटना के 24 दिन बाद एक बार फिर मामले में नया मोड़ आया है और परिवार ने साफकहा है कि, दुर्घटना स्थल पर बनी परिस्थितियों को देखकर साफहै कि, हमारे लड़के के साथ कोई न कोई अनहोनी या वारदात को अंजाम दिया गया है जिसे दबाया जा रहा है। युवक की बहन पिछ्ले 10 दिनों से दुर्घटना के तथ्यों को जोड़कर परिवार, समाज़ के साथ चर्चा कर मामले में जांच करवाने के लिए प्रयास कर रही थी। परिवार ने समाजजनो ओर करणी सेना के साथ मंगलवार को एसडीओपी कार्यालय पहुँचकर मामले में जांच की मांग करते हुए मृतक युवक के साथ उस दिन साथ गए लड़के पर हत्या करने के आरोप लगाकर जांच की मांग की है।

### मृतक युवक के पिता ने लगाए गंभीर आरोप

जांच हेतु एसडीओपी कार्यालय में दिए गए आवेदन में मृतक सनी के पिता धर्मेंद्र सिसौदिया ने बताया कि, दुर्घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुँचा था, जब तक सनी की मौत चुकी थी। मेरे द्वारा दुर्घटना स्थल पर मेरा वाहन जिसे मेरा पुत्र लेकर गया था उस देखा तो, उसमें पुत्र के साथ गए रमेश भूरिया निवासी रायपुरिया की डायरी तथा एक जुता रखा हुआ था, उस दिन सनी मेरे ससुराल अमझेरा होता हुआ आ रहा था तथा मेरे साले व सनी के मामा के यहाँ कुछ देर रुका था। जिनके द्वारा मुझे बताया गया कि, सनी के साथ एक लड़का और आया था। जिसका का फोटो उनको दिखाने पर उनके द्वारा बताया गया कि, रमेश ही मेरे पुत्र के साथ था और रमेश ने हमको जानकारी दी कि, वह साथ मे था किन्तु उमरकोट उतर गया था। जबकी घटना की स्थिति देखकर साफपता चलता है कि, जो कुछ भी उस रात हुआ रमेश उस दौरान उसी के साथ था।

### वाहन चालक, वाहन के दूसरे हिस्से में कैसे दब सकता है, एक लाख नगद के साथ मोबाइल, एटीएम भी गायब

सनी के पिता ने साफकहा कि, दुर्घटना में वाहन चालक वाहन के बांई ओर के मतलब ड्राइवर के दूसरी और के पिछ्ले टायर के नीचे आना कही से कही तक भी संभव नही है। लेकिन मेरा पुत्र दुर्घटना के बाद वाहन के दूसरी और दबा हुआ था जबकि वो खुद वाहन चला रहा था। मौके से सनी का मोबाईल व एटीएम और उस के पास करीब एक लाख रुपए थे वे सभी गायब थे, जो आज तक नही मिले है। परिवार ने आशंका नही पुरे विश्वास के साथ कहा है कि, सनी के साथ गए रमेश ने ही उसके साथ धोखा किया है और उसकी हत्या की है, उसे दुर्घटना का रूप देकर गुमराह कर बचने की कोशिश की है।

### गुहार लगाने के बाद भी रायपुरिया पुलिस ने नही की जांच, मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल से हो सकता है खुलासा

सनी के पिता ने जांच की मांग करते हुए कहा कि, प्रकरण काफी गंभीर स्वरूप का होकर जिसकी बारिकी से जांच की जाना आवश्यक थी, किन्तु कई बार थाना रायपुरीया में जाकर मेरे द्वारा जांच करने हेतु कहा गया तो भी पुलिस द्वारा मरी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। उक्त घटना को इतने दिन बित जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने से आहत है। अब मामले में एसडीओपी को नामजद आवेदन दिया गया हैं, यदि मृतक सहित परिजनों और युवक साथी की कॉल डिटेल ओर मोबाईल लोकेशन की जांच की जाती है तो मामले का पूरा खुलासा हो सकता है। मिली जानकारी के अनुसार युवक द्वारा मरने से पहले का व्हाट्सएप स्टेटस भी 24 घंटे की अवधि के पूर्व ही हटाया गया है, मतलब मृतक के मोबाइल का उपयोग उसके मरने बाद किसी के द्वारा किया गया है जो मौके से गायब है और अभी तक नही मिला।

***गूंज के अगले अंक में सनी की मौत में पुलिस की लापरवाही और दुर्घटना या हत्या पर करेगे खुलासा...***

## संपादकीय

# आबादी की फिक्र

गौरवशाली अतीत, समृद्ध जल व प्राकृतिक संपदा और प्रचुर श्रम शक्ति के बावजूद उत्तर प्रदेश यदि प्रगति की दौड़ में पिछड़ गया है तो राजनीतिक विद्रूपताओं के अलावा एक बड़ा कारण अनियंत्रित आबादी भी है। देश में भौगोलिक क्षेत्रफल के लिहाज से चौथे नंबर वाले प्रदेश में सबसे बड़ी आबादी रहती है। यह जनसंख्या दुनिया के कई मुल्कों के बराबर बैठती है। ऐसे में यदि योगी सरकार ने जनसंख्या नीति की घोषणा बढ़ती आबादी पर अंकुश लगाने की कोशिश में की है तो उसका स्वागत होना चाहिए। बल्कि ऐसी पहल पूरे देश में की जानी चाहिए। संभव है, योगी सरकार के फैसले को आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक नजरिए से देखा जाए। यह भी कि, विपक्षी दल इस फैसले की सांप्रदायिक नजरिए से भी व्याख्या करें, लेकिन देश के समक्ष पैदा हालात के दृष्टिकोण से इसे देखा जाना चाहिए। जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित जनसंख्या नीति 2021-30 का अनुकरण देशव्यापी होना चाहिए। नि:संदेह, जनसंख्या विस्फोट को रोकने में उत्तर प्रदेश सफल होता है तो संभव है कि, राज्य के बेटों को नौकरी की तलाश में विभिन्न राज्यों में धक्के खाने की नौबत नहीं आएगी। इस पर लगा बीमारू राज्य का दाग मिट सकेगा। कोरोना संकट में राज्य और देश ने देखा कि, बढ़ती आबादी के सामने चिकित्सा के संसाधन बौने पड़ गए। लोग बेड, ऑक्सीजन व एंबुलेंस के लिए दर-दर की ठोकरें खाते रहे। सही मायनो में राज्य की दौड़ की राह में बढ़ती आबादी बड़ी बाधा साबित हुई है। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने जनसंख्या नियमन और शिक्षा के प्रचार-प्रसार से प्रगति के नए लक्ष्य हासिल किए हैं। यह हकीकत है कि, अकुशल राजनीतिक प्रबंधन और भ्रष्टाचार के अलावा विकास के लक्ष्य समय से हासिल न कर पाने की बड़ी वजह बेलगाम आबादी है। ऐसे में पारदर्शी ढंग से लागू योगी सरकार की नीति दूरगामी परिणाम दे सकती है। बशर्ते आसन्न चुनावों के चलते मुद्दा राजनीति का शिकार न हो।

नि:संदेह, जनसंख्या विस्फोट आज वैश्विक चुनौती है। खासकर विकासशील देशों में जहां रोजगार के अवसर व प्राकृतिक संसाधनों की कमी है। बेहतर जीवन परिस्थितियों के लिए जनसंख्या नियंत्रण और शैक्षिक स्तर ऊंचा करने की जरूरत है। विश्वव्यापी कोविड संकट ने इस समस्या को अधिक जटिल बनाया है क्योंकि रोजगार के अवसरों का भयावह रूप में संकुचन हुआ है। जिन देशों ने आबादी को समय रहते नियंत्रित किया, वहां आज खुशहाली की बयार नजर आती है। उत्तर प्रदेश के मामले में प्रजनन दर का राष्ट्रीय औसत से अधिक होना, राज्य सरकार की चिंता बढ़ा रहा है। प्रजनन दर को नियंत्रित करके हम गरीबी के खिलाफलड़ाई मजबूती से लड़ सकेंगे। नि:संदेह गरीबी का एक बड़ा कारण ज्यादा आबादी ही है। इसी से कुपोषण बढ़ता है और स्त्रियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यदि जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगता है तो निश्चित रूप से शिशु मृत्यु दर में गिरावट आएगी और प्रजनन के दौरान होने वाली माताओं की मृत्यु दर को भी रोका जा सकेगा। यहां जनसंख्या नीति में उन प्रावधानों का स्वागत किया जाना चाहिए, जिसमें सरकारी कर्मचारियों को परिवार नियोजन अपनाने पर पदोन्नति, विशेष इंक्रीमेंट, मकानों में सब्सिडी, सस्ता होम लोन देने की घोषणा की गई है। दूसरी ओर आम आदमी को परिवार नियोजन अपनाने पर बिजली-पानी के बिलों में रियायत देने, अकेली संतान के बाद परिवार नियोजन करवाने और उसके लड़की होने पर वजीफा, मुफ्त शिक्षा तथा नौकरी में प्राथमिकता देने की बात कही गई है। वहीं एक बच्चे के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाले गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवार को नकद राशि देने का प्रावधान भी है। वहीं नीति लागू होने के बाद तीसरी संतान होने पर इसमें दंड का भी प्रावधान किया गया है। सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों की नौकरी पर संकट आ सकता है तो पंचायत व नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों का निर्वाचन रद्द भी हो सकता है। सरकारी सुविधाएं भी वापस ली जा सकती हैं। इसके बावजूद जनसंख्या नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि, हम आम लोगों को कितना जागरूक करके उनकी भागीदारी को कैसे बढ़ा सकते हैं।

# वर्चस्व तोड़ स्पर्धा विकसित करें

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

गत सप्ताह मंत्रिमंडल में हुए फेरबदल में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने इस्तीफा दे दिया है। इस इस्तीफे के पीछे दो संभावनाएं हैं। एक संभावना है कि, रवि शंकर प्रसाद ने ट्विटर एवं अन्य दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों पर प्रधानमंत्री की इच्छा से इतर अधिक सख्ती की, जिसके फलस्वरूप इन सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा देश एवं प्रधानमंत्री स्वयं की वैश्विक रैंकिंग पर प्रभाव पड़ सकता था, इसलिए प्रधानमंत्री ने उनका इस्तीफा मांग लिया। दूसरी संभावना है कि, रवि शंकर प्रसाद ने इन कंपनियों पर पर्याप्त सख्ती नहीं की, जिससे देश के भविष्य पर संकट आ सकता था और हल्का-फुल्का दिखावटी काम करके इनके गलत कार्यों पर रोक नहीं लगाई। इसलिए प्रधानमंत्री ने उनका इस्तीफा मांग लिया।

इन दोनों संभावनाओं में सत्य क्या है, यह तो प्रधानमंत्री स्वयं ही जानते हैं। बहरहाल विषय महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार के सामने दो परस्पर विरोधी उद्देश्य हैं। एक उद्देश्य है कि, देश एवं प्रधानमंत्री की वैश्विक पैठ बनाए रखने में सोशल मीडिया का सहयोग लेते रहना। दूसरा उद्देश्य है, देश की जनता के प्रति जवाबदेही और देशहित को हासिल करने के लिए सोशल मीडिया पर नियंत्रण करना।

आज से 300 वर्ष पूर्व भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापार करने के लिए आई थी। भारत के राजाओं ने उन्हें व्यापार करने की छूट दी। इनके द्वारा कोई फर्जी या झूठा माल बेचा गया हो, ऐसा संज्ञान में नहीं आता। लेकिन सच्चा माल बेचने के बावजूद इनके प्रवेश के 200 वर्षों के अंदर ही भारत का विश्व आय में हिस्सा 23 फीसदी से घटकर मात्र 2 फीसदी रह गया। आप यह सोचिए कि, यदि सच्चे माल के व्यापारी के प्रवेश से ही देश की ऐसी दुर्गति हो सकती है तो सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा फर्जी सूचना परोसने से देश की कितनी हानि हो सकती है! इन सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा क्या ऐसी सूचना परोसी जाती है, जिस पर वर्तमान में देश की जनता अथवा सरकार का कोई भी नियंत्रण नहीं है, ये स्वतंत्र हैं।

जैसे पिछले अमेरिकी चुनाव के पहले ट्विटर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के खाते को ब्लॉक कर दिया था। उनका कहना था कि, राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा गलत सूचनाएं डाली जा रही हैं। इसी क्रम में बीते समय में भाजपा के कुछ नेताओं की पोस्ट को भी ट्विटर ने ब्लॉक कर दिया था। प्रश्न यह है कि, इन सूचनाओं के सही और गलत होने का निर्णय कौन लेगा? और किस उद्देश्य से लेगा? यह निर्णय यदि जनता के हित हासिल करने के उद्देश्य से लिए जाएं तो स्वीकार होते है। जबकि यही निर्णय यदि सोशल मीडिया कंपनी के वाणिज्यिक स्वार्थों को बढ़ाने के लिए, लिए जाएं तो देश और जनता की अपार हानि हो सकती है। जैसे ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा व्यापार करने से हुआ था।

इस संबंध में रवि शंकर प्रसाद के नेतृत्व में सरकार ने नए नियम लागू किए थे, जिसके अंतर्गत सोशल मीडिया कंपनियों को एक शिकायत अधिकारी, एक प्रशासनिक अधिकारी और एक सरकार से समन्वय करने के अधिकारी की नियुक्ति करनी थी। ये नियम पूर्णतया सही दिशा में हैं लेकिन अपर्याप्त हैं। इन नियमों के लागू होने के बावजूद सोशल मीडिया कंपनियां अपना मनचाहा व्यवहार करती रह सकती हैं। जैसे शिकायत अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और समन्वय अधिकारी की नियुक्ति के बाद भी ट्विटर भाजपा के नेताओं की पोस्ट को ब्लॉक कर सकता था। समन्वय अधिकारी को ट्विटर को किसी पोस्ट विशेष के सम्बन्ध में आदेश देने का अधिकार इन नियमों में नहीं दिया गया था। केवल विशेष परिस्थितियों में सरकार उन्हें सुधार करने के लिए कह सकती है।

लेकिन सरकार द्वारा सोशल मीडिया कंपनियों के नियंत्रण में दूसरा संकट भी पैदा होता है। जैसे चीन ने सोशल मीडिया कंपनियों को आदेश दे रखा है कि, कोरोना वायरस के वुहान की प्रयोगशाला में उत्पन्न होने संबंधित कोई भी सूचना वे अपने प्लेटफार्म पर नहीं डालेंगी; अथवा जैसे बेलारूस के तानाशाह लुकाशेन्को को एवं म्यांमार के तानाशाह मिंग हांग लेंग द्वारा सोशल मीडिया कंपनियों को कहा जा सकता है कि, उनके आततायी व्यवहार का विरोध करने वाली किसी भी पोस्ट को सोशल मीडिया कंपनी पोस्ट नहीं करेगी। ऐसे में सरकार के सोशल मीडिया पर नियंत्रण से जनता की हानि हो सकती है।

अतः सरकार द्वारा सोशल मीडिया कंपनियों पर नियंत्रण के दो पहलू हैं। एक है कि, सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा जनहित की अनदेखी करते हुए गलत सूचना परोसी गई हो तो सरकार की दखल जरूरी होती है। दूसरी तरफ सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा सरकार के विरोध में जनता को सही सूचना उपलब्ध कराने की स्वतंत्रता को संरक्षित करना भी उतना ही जरूरी है। हमें इन दोनों परस्पर विरोधी उद्देश्यों के बीच में रास्ता ढूंढ़ना है।

इस समस्या के समाधान का सर्वश्रेष्ठ उपाय यह है कि, सरकार द्वारा स्वतंत्र नागरिकों की समिति बनाई जाए, जिसे सोशल मीडिया के विरुद्ध शिकायत सुनने एवं निर्णय लेने का अधिकार हो। अथवा जैसे किसी कंपनी द्वारा शेयर धारक के प्रति अनुचित व्यवहार करने की शिकायत सेबी से की जा सकती है, उसी प्रकार सोशल मीडिया नियंत्रण बोर्ड बनाना चाहिए जो सोशल मीडिया को आदेश दे लेकिन सरकार के सीधे नियंत्रण से बाहर हो।

दूसरा उपाय है कि, बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों का सरकार विभाजन कर दे। अपने देश में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग स्थापित है जो कि, किसी वाणिज्यिक कंपनी द्वारा बाजार में एकाधिकार का उपयोग कर माल को महंगा बेचने इत्यादि पर रोक लगा सकता है। सरकार को चाहिए कि, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को आदेश दे कि किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म की अधिकतम सदस्य संख्या को निर्धारित कर दे। जैसे यदि आज भारत में व्हाट्सएप के 5 करोड़ ग्राहक हैं तो प्रतिस्पर्धा आयोग निर्धारित कर सकता है कि, किसी एक कंपनी द्वारा 40 फीसदी यानी 2 करोड़ से अधिक ग्राहक हासिल नहीं किए जाएंगे। इससे अधिक संख्या में ग्राहक हासिल करने पर उस कंपनी को दो या अधिक टुकड़ों में विभाजित कर दिया जाएगा।

इस विभाजन का लाभ होगा कि, इन कंपनियों के बीच में प्रतिस्पर्धा बनेगी और देश की स्वदेशी सोशल मीडिया कंपनी को बाजार में प्रवेश करने का अवसर मिल जाएगा। इनकी आपसी प्रतिस्पर्धा से इनके ऊपर स्वयं दबाव बनेगा कि, यह जनता को गलत सूचना न परोसें। यदि किसी एक सोशल मीडिया कंपनी ने गलत सूचना परोसी तो दूसरी सोशल मीडिया कंपनी उसे एक्सपोज कर सकती है और ऐसे में सोशल मीडिया स्वयं ही अपने ऊपर नियंत्रण रखेगी। देश के प्रिंट मीडिया में कई खिलाड़ी होने के कारण ऐसा ही दबाव प्रेस पर बना रहता है। सरकार ने जो नियम बनाए हैं, वे सही दिशा में हैं लेकिन इससे बहुत आगे जाने की जरूरत है और बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों को तोड़कर टुकड़ों में बांटने पर सरकार को कानून बनाना चाहिए।

# विधान सभा चुनाव में दूसरे दलों से भिड़ने के पहले केप्टन व सिद्धू की आपसी भिडंत

अशोक भाटिया

राजनीति की जानकारी रखने वाले पाठको को याद होगा कि, पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की घोषणा पर अड़ गए थे। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान को खुली चुनौती देते हुए पार्टी छोड़ने की भी धमकी दे दी थी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने उस समय अमरिंदर सिंह को मना लिया था कि, वे अगली बार सीएम पद के लिए आगे नहीं आएंगे। लेकिन, सत्ता चीज ही ऐसी है कि तमाम वादे और नियम-कायदे टूट जाते हैं। यही वजह रही कि, बीते चार सालों में नवजोत सिंह सिद्धू के अमरिंदर सिंह के खिलाफमुखर होने के मामले पर कांग्रेस आलाकमान ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। वहीं, पंजाब में उपजे विवाद को खत्म करने के लिए बनाई गई कांग्रेस आलाकमान की तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट के निष्कर्ष भी कैप्टन के खिलाफबगावत में बारूद भरने के लिए ही नजर आते हैं।

माना जा रहा था कि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खडगे के नेतृत्व वाली इस समिति ने सोनिया गांधी को जो रिपोर्ट सौंपी थी। उसमें नवजोत सिंह सिद्धू को एक सम्मानजनक पद के साथ कैप्टन सरकार में वापसी कराने की वकालत की गई थी। समिति ने अमरिंदर सिंह को भी ताकीद कर दी थी कि, कांग्रेस आलाकमान उनके इस अड़ियल रवैए से बिल्कुल भी खुश नहीं है। समिति ने कैप्टन को सिद्धू के साथ मतभेदों को भूलकर आगे बढ़ने की सलाह भी दी थी। लेकिन, अमरिंदर सिंह इसके लिए तैयार नहीं दिखे थे। वहीं, इससे उलट कैप्टन ने लंच डिप्लोमेसी के जरिए कांग्रेस आलाकमान के आगे अपना शक्ति प्रदर्शन कर सीएम पद के अपने दावे को और पुख्ता कर दिया। इसके साथ ही अमरिंदर सिंह ने शीर्ष नेतृत्व तक ये भी संदेश पहुंचाने की कोशिश की कि, वह अपने स्टैंड पर झुकेंगे नहीं। करीब एक सप्ताह पहले नवजोत सिंह सिद्धू, राहुल गांधी से मुलाकात करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। जिसके बाद राहुल गांधी की ओर से कहा गया था कि, सिद्धू के साथ उनकी मुलाकात तय नहीं है। इसी बीच सिद्धू के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा तारणहार बनकर उभरी। प्रियंका गांधी केवल नवजोत सिंह सिद्धू मिली ही नहीं, उन्होंने सिद्धू और राहुल के बीच मुलाकात कराने के लिए सोनिया गांधी के निवास से लेकर राहुल गांधी के घर तक कई चक्कर लगाए। आखिर में प्रियंका गांधी को कामयाबी भी मिली और राहुल गांधी ने सिद्धू के साथ एक 'लंबी मुलाकात' की। प्रियंका गांधी इन दिनों कांग्रेस में झगड़ों को सुलझाने में काफी एक्टिव नजर आ रही हैं। नवजोत सिंह सिद्धू भी अपने कई इंटरव्यू में पहले भी कह चुके हैं कि, कांग्रेस में उनकी एंट्री की वजह प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ही है। अमरिंदर सिंह पर हमलावर रहे सिद्धू हमेशा ही कहते नजर आए हैं कि, सबको पता है, उनके 'बॉस' कौन हैं?

वहीं, सोनिया गांधी के साथ हालिया मुलाकात को छोड़ दें, तो कैप्टन अमरिंदर सिंह केवल कांग्रेस की तीन सदस्यीय समिति से ही मिले हैं। खैर, कांग्रेस की इस समिति से मिलना अमरिंदर सिंह की मजबूरी भी कहा जा सकता है। कांग्रेस में अपनी बात खुलकर रखने के लिए उन्हें भी एक मंच की जरूरत थी जहां से उनकी आवाज शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच सके। दरअसल, हाल-फिलहाल तक तो सोनिया गांधी के दरवाजे भी कैप्टन के लिए बंद ही थे। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने पहले ही अमरिंदर सिंह से दूरी बना रखी है। ये स्थिति काफी चौंकाने वाले है कि, अपने ही राज्य के एक सीएम से मुलाकातों का दौर पर कांग्रेस में काफी हद तक एकतरफा ही रहा। खैर, ये कहना गलत नहीं होगा कि कांग्रेस के 'नए शीर्ष नेतृत्व' में अमरिंदर सिंह से ज्यादा नवजोत सिंह सिद्धू की पकड़ मजबूत है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि, पंजाब में कांग्रेस के पास कैप्टन अमरिंदर सिंह के कद का कोई नेता नहीं है। यही वजह है कि, कांग्रेस 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कैप्टन के दम पर ही चुनावी मैदान में जाना चाहती है। लेकिन, इसके लिए वह सिद्धू की कुर्बानी देने को तैयार नहीं है। राहुल और प्रियंका गांधी मान चुके हैं कि, पंजाब में कांग्रेस के भविष्य के नेता नवजोत सिंह सिद्धू ही होंगे। खैर, एक राजनीतिक दल के लिहाज से कांग्रेस की ये सोच जायज भी नजर आती है। लेकिन, कांग्रेस नेतृत्व इस कोशिश पर ज्यादा जोर दे रहा है कि, दोनों नेताओं के बीच किसी भी तरह से विवाद का हल निकल जाए। माना जा रहा है कि, कैप्टन को भरोसे में लेकर सिद्धू को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू की अहमियत का अंदाजा आप नेता और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयान से लगाया जा सकता है। पंजाब के अपने हालिया दौरे पर सिद्धू को लेकर पूछे गए एक सवाल पर अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि, मैं उनका सम्मान करता हूं। दरअसल, नवजोत सिंह सिद्धू खुले तौर पर कह चुके हैं कि, वह पंजाब की ही राजनीति करेंगे। वहीं, कांग्रेस में अमरिंदर सिंह के बाद अगर कोई लोकप्रिय नेता है, तो वह नवजोत सिंह सिद्धू ही हैं। करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर सिद्धू के एक्टिव होने से उन्होंने पंजाब में अपनी एक अलग फॉलोइंग भी डेवलप कर ली है। सिख समुदाय में कैप्टन की लोकप्रियता के मुकाबले कम ही सही, लेकिन सिद्धू भी कुछ हिस्सा शेयर करते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया टुडे के एक सर्वे के मुताबिक, पंजाब में अमरिंदर सिंह को 32 फीसदी लोगों ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी पहली पसंद बताया था। इस लिस्ट में सिद्धू 16 फीसदी लोगों की पसंद बनकर तीसरे स्थान पर थे। इसका सीधा सा मतलब निकलता है कि, अमरिंदर सिंह के बाद पार्टी में लोकप्रियता के आधार पर सिद्धू अभी भी दूसरे नंबर के ही नेता हैं। ऐसे हालातो में कैप्टन या सिद्धू की कौन कहे, आगे चल कर तो पंजाब में कांग्रेस का ही भविष्य तय होने वाला है। इन दोनों की रस्सा खिची और भाग दौड़ में कहीं कांग्रेस ही अपना नुकसान न कर बैठे, क्युंकी आप पार्टी नवजोत सिंह सिद्धू पर व भाजपा कैप्टन अमरिंदर सिंह पर नजर गड़ाए बैठी है।

# भारी पड़ेगी प्रकृति को न समझने की भूल

डॉ. वदंना सेन

जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है, पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं, नदियां समाप्ति की ओर हैं, कुए, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि, प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि, पेड़-पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ ही हों, सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा?

अभी बारिश का मौसम आ चुका है। इस मौसम में देश के अनेक हिस्सों से कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा पड़ने के समाचार मिलते हैं। इतना ही नहीं देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधारोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि, पौधरोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है। यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि, ऐसा करके हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हत्या के परिणाम क्या होते हैं, इसे बताने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन यह सत्य है कि, जिस पेड़ की असमय मौत होती है, उसकी आत्मा कराह रही होती है। हम अगर पेड़ या पौधे में जीवन का अध्ययन करें तो हमें स्वाभाविक रूप से यह ज्ञात हो जाता है कि, जीवित वनस्पति जब मौत की ओर जाती है, तब उसकी क्या स्थिति होती होगी। अब जरा अपने शरीर का ही विचार कर लीजिए, उसे भोजन नहीं मिलेगा, तब शरीर का क्या हाल होगा।

वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि, पेड़ पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि, हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाश कारी होगा, कल्पना कर सकते हैं।

वर्तमान में स्थिति यह है कि, हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि, इस प्रकार की चिंता करके समाज ने अपने जीवन काल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि, पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। यह संबंध आज टूटते दिखाई दे रहे हैं। प्राण वायु ऑक्सीजन भी दूषित होती जा रही है। वह तो भला हो कि ईश्वर के अंश के रूप में में भारत भूमि पर पैदा हुआ हमारे इस शरीर में ऐसा श्वसन तंत्र विद्यमान है, जो वातावरण से केवल शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण करता है, लेकिन सवाल यह है कि, जिस प्रकार से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़ पौधों की संख्या बहुत कम है। इतना ही नहीं लगातार और कम होती जा रही है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है।

आज के समाज की मानसिकता का सबसे बड़ा दोष यही है कि, अपनी जिम्मेदारियों को भूल गया है। अपने संस्कारों को भूल गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए समाज की ओर से पहल नहीं की जाती। वह हर समस्या के लिए शासन और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहराता है। जबकि सच यह है कि, शासन के बनाए नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी हमारी है। शासन और प्रशासन में बैठे व्यक्ति भी समाज के हिस्सा ही है। इसलिए समाज के नाते पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। पौधों को पेड़ बनाने की दिशा में हम भी सोच सकते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए हम कपड़े के थैले का उपयोग कर सकते हैं। अभी ज्यादा संकट नहीं आया है, इसलिए क्यों नहीं हम आज से ही एक अच्छे नागरिक होने का प्रमाण प्रस्तुत करें। क्योंकि दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है।

पिछले एक वर्ष से कोरोना संक्रमण के चलते हमारी जीवन चर्या में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिसमें हर व्यक्ति को अपने जीवन के लिए प्रकृति का महत्व भी समझ में आया, लेकिन सवाल यह है कि, क्या इस परिवर्तन के अनुसार हम अपने जीवन को ढाल पाएं हैं? यकीनन नहीं। वर्तमान में हमारा स्वभाव बन चुका है कि, हम अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रवृत नहीं होते। जीवन की भी अपनी प्रकृति और प्रवृति होती है। इसी कारण कहा जा सकता है कि, जो व्यक्ति प्रकृति के अनुसार जीवन यापन नहीं करता, उसका प्रकृति कभी साथ नहीं देती। हमें घटनाओं के माध्यम से जो संदेश मिलता है, उसे जीवन का अहम हिस्सा बनाना होगा, तभी हम कह सकते हैं कि हमारा जीवन प्राकृतिक है।

# बगलें झांकते भारत व पाक

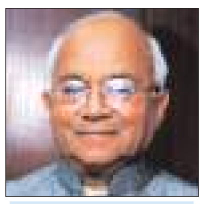

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

कुछ दिनो से ऐसा लग रहा था कि, अफगानिस्तान में हमारे राजदूतावास और वाणिज्य दूतावासों को कोई खतरा नहीं है लेकिन हमारा कंधार का दूतावास कल खाली हो गया। लगभग 50 कर्मचारियों और कुछ पुलिसवालों को आनन-फानन जहाज में बिठाकर नई दिल्ली ले जाया गया है। वैसे काबुल, बल्ख और मजारे-शरीफमें हमारे कूटनीतिज्ञ अभी तक टिके हुए हैं लेकिन कोई आश्चर्य नहीं कि, वे दूतावास भी तालिबान के घेरे में शीघ्र ही चले जाएं। जो ताज़ा खबरें आ रही हैं उनसे तो ऐसा लगता है कि, अफगानिस्तान के उत्तरी और पश्चिमी जिलों में तालिबान का कब्जा बढ़ता जा रहा है। एक खबर यह भी है कि, तालिबानी हमले का मुकाबला करने की बजाए लगभग एक हजार अफगान सैनिक ताजिकिस्तान की सीमा में जाकर छिप गए। चीन पहुंचे हुए तालिबान प्रवक्ता ने पेइचिंग में घोषणा की है कि, 85 प्रतिशत क्षेत्र पर तालिबान का कब्जा हो चुका है जबकि राष्ट्रपति अशरफगनी का कहना है कि, अफगान फौज और पुलिस तालिबान आतंकवादियों को पीछे खदेड़ती जा रही है। उन्होंने यह भी कहा है कि, अफगानिस्तान के विभिन्न जिलों में रोज लगभग 200 से 600 लोग मारे जा रहे हैं। यह गृह-युद्ध की स्थिति नहीं है तो क्या है? जो चीन पाकिस्तान का इस्पाती दोस्त है और तालिबान का समर्थक है, वह भी इतना घबराया हुआ है कि, उसने अपने लगभग 200 नागरिकों से काबुल खाली करवाया है। चीन इन बुरे हालात का दोष अमेरिका के सिर मढ़ रहा है लेकिन आश्चर्य की बात है कि, काबुल में पाकिस्तानी राजदूत मंसूर अहमद खान ने दुनिया के देशों से अपील की है कि, वे अफगान फौजों की मदद करें, वरना तालिबानी हमलों के कारण लाखों शरणार्थी दुबारा पाकिस्तान के सीने पर सवार हो जाएंगे। पाकिस्तान के नेता एक तरफ अफगानिस्तान की गनी सरकार को काफी दिलासा दिला रहे हैं और दूसरी तरफ उनका गुप्तचर विभाग और फौज तालिबान के विभिन्न गिरोहों की पीठ थपथपा रहे हैं। तालिबान के इस दावे पर संदेह किया जा सकता है कि, 85 प्रतिशत अफगान भूमि पर उनका कब्जा हो गया है। लेकिन यह सत्य है कि, उन्होंने ईरान की सीमा पर स्थित शहर इस्लाम किला और वाखान क्षेत्र में चीन से जुड़े अफगान इलाकों पर कब्जा कर लिया है। तालिबान नेताओं ने चीनी नेताओं को भरोसा दिलाया है कि, वे सिंक्यांग के उइगर मुसलमानों को नहीं भड़काएंगे और उनकी सरकार चीनी आर्थिक सहायता को सहर्ष स्वीकार करेगी। कश्मीर के बारे में वे कह चुके हैं कि, वे उसे भारत का आतंरिक मामला मानते हैं। ये बातें सत्ताकामी शक्ति के संयम और संतुलन को बताती हैं लेकिन जिन जिलों पर तालिबान कब्जा कर चुके हैं, उनमें उन्होंने अफगान महिलाओं पर अपने पुराने इस्लामी प्रतिबंध थोप दिए हैं। अफगान गृह-युद्ध का सबसे बुरा असर पाकिस्तान और भारत पर होगा लेकिन देखिए कि ये दोनों ही बगलें झांक रहे हैं।

## गूंज असर

# सब इंस्पेक्टर, दो आरक्षक और एक चिकित्सक के खिलाफ मामला दर्ज

## मामला पुलिस हिरासत में युवक की मौत का

**माही की गूंज, मंदसौर। साहील अगवान**

पुलिस हिरासत में युवक की मौत के मामले में नारकोटिक्स विंग के सब इंस्पेक्टर, दो आरक्षक और एक चिकित्सक के खिलाफमामला दर्ज किया गया है। बता दें कि, 5 अप्रेल 2021 को माही की गूंज के अखबार में ''नारकोटिक्स विंग की कस्टडी में हुई मौत, फिर उठी पीएम करने की मांग'', ''सोहेल के लिए ढाबे पर हो रही थी सोदेबाजी, पुलिस ने डिलीट करवाई सीसीटीवी रिकार्डिंग'' शिर्षक के साथ प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसमें बताया था कि, राजस्थान के सोहेल नामक युवक की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी, परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद मामले की जांच चल रही थी। अब कोर्ट के आदेश पर मंदसौर की यशोधर्मन पुलिस ने आरोपी सब इंस्पेक्टर राजमल दायमा, दो आरक्षक प्रशांत कैथवास और कमल पटेल के साथ ही मंदसौर के एक डॉक्टर बीएस कटारे के खिलाफआईपीसी की धारा 302/201/218 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

### क्या है मामला

2 अप्रैल 2021 को मंदसौर की नारकोटिक्स विंग ने सोहेल को 90 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा था, इस दौरान पुलिस कस्टडी में ही उसकी तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। सोहेल के परिजनों का आरोप था कि, पुलिस ने फोन करके उनसे सोहेल को छोड़ने और मामला रफा-दफा करने के एवज में 50 लाख रुपए की मांग की थी।

नारकोटिक्स विंग की कस्टडी में हुई मौत, फिर उठी पीएम करने की मांग
सोहेल को छोड़ने के लिए ढाबे पर हो रही थी सौदेबाजी, पुलिस ने डिलीट करवाई सीसीटीवी रिकॉर्डिंग

सोहेल के परिजनों का आरोप था कि, उसके शरीर पर चोट के निशान थे। उनका कहना था कि, रिश्वत नहीं मिलने के कारण पुलिस ने सोहेल को पीट-पीटकर मार डाला। घटना के बाद आरोपी सब इंस्पेक्टर, एक हेड कांस्टेबल और तीन आरक्षकों को निलंबित कर दिया गया था।

वायडी नगर टीआई जितेंद्र पाठक ने बताया कि, मंदसौर बायपास पर मुलतानपुरा चौराहे पर स्थित पुलिस की नारकोटिक्स विंग थाने पर 3 अप्रैल 2021 को सुबह एक आरोपित 21 वर्षीय सोहेल पुत्र हमीद खान निवासी ग्राम असावता जिला प्रतापगढ़ (राज.) की मौत हो गई थी। सोहेल को 2 अप्रैल 2021 की शाम को ही 90 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त करने के मामले में थाने लाया गया था। थाने पर मौत के बाद 3 अप्रैल को स्वजनों ने जिला अस्पताल में भी काफी हंगामा किया था और पोस्टमार्टम भी नहीं होने दिया था। इसके बाद भोपाल से डीजी नारकोटिक्स ने न्यायिक जांच के आदेश दिए थे और न्यायाधीश समीर मिश्र को पूरे मामले में जांच सौंपी थी। न्यायाधीश ने 64 पेज की जांच रिपोर्ट सौंपी है। इसके बाद शनिवार रात में यशोधर्मन नगर थाने पर सभी के खिलाफप्रकरण दर्ज किया है। इसमें उप निरीक्षक राजमल दायमा, आरक्षक प्रशांत कैथवास व आरक्षक कमल पटेल के खिलाफभादसं की धारा 302, 201 और डॉ. बीएस कटारे के खिलाफभादसं की धारा 201 व 218 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपित की मौत पुलिस की लापरवाही से हुई है और सरकारी डॉक्टर पर गलत रिपोर्ट बनाने व तथ्यों को छुपाने का आरोप लगाया गया है।

# जमीन बंटवारे के बाद पावती के लिए रिश्वत लेना पटवारी को पड़ा भारी

### रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ी गई पटवारी

**माही की गूंज, रतलाम।**

जिले में कई विभागों के भ्रष्ट कर्मचारी लोकायुक्त पुलिस द्वारा धरे गए हैं। सोमवार को फिर लोकायुक्त पुलिस उज्जैन की टीम ने कस्तूरबा नगर से लगे टेलीफोन नगर में महिला पटवारी रचना गुप्ता को उनके निवास पर ही एक युवक से 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। कागजी कार्रवाई के बाद धारा 41 का नोटिस देकर पटवारी को छोड़ दिया गया।

लोकायुक्त निरीक्षक बसन्त श्रीवास्तव ने बताया कि, फरियादी गोपाल गुर्जर निवासी ग्राम पलसोड़ी ने लोकायुक्त एसपी कार्यालय उज्जैन में शिकायत की थी कि, उनकी परिवारिक जमीन का बंटवारा हो गया है और पावती बनाने के लिए पटवारी रचना गुप्ता ने 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। पांच हजार रुपए 15 दिन पहले दे चुके हैं। वह 5 हजार रुपए की और मांग कर रही है, उसने पांच हजार रुपए लेकर सोमवार को अपने टेलीफोन नगर स्थित घर पर बुलाया था। सोमवार दोपहर करीब एक बजे दल पटवारी रचना गुप्ता के घर के पास पहुंचा तथा घेराबंदी की। गोपाल ने पटवारी रचना गुप्ता के घर की छत के बरामदे में पहुंच कर उन्हें रुपए दिए। रचना ने रुपए पलंग पेटी पर रखवा दिए। इशारा मिलते ही दल के सदस्य वहां पहुंचे तथा पटवारी रचना गुप्ता को गिरफ्तार कर रिश्वत की राशि जब्त की।

फरियादी गोपाल ने बताया कि, पटवारी करीब नौ माह से चक्कर लगवा रही थी तथा पावती बनाने के लिए रिश्वत मांग रही थी। सोमवार को पटवारी ने घर बुलाकर रुपए देने के लिए कहा था। पटवारी को उसने रुपए दिए तभी लोकायुक्त टीम के सदस्य पहुंचे तथा पटवारी को गिरफ्तार किया।

# संयुक्त मोर्चा ने डिप्टी कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

**माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।**

मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग संयुक्त मोर्चा ब्लॉक भानपुरा ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर डिप्टी कमिश्नर एवं प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोहनलाल स्वर्णकार को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में खरगोन के भीकनगांव में पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश बाहेती एवं धार जिले के गंधवानी जनपद पंचायत के उपयंत्री के पद पर पदस्थ प्रवीण पंवार के द्वारा वरिष्ठ जनों की मानसिक प्रताड़ना और अतिकार्य भार एवं दबाव के कारण फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या जैसे दुःखद कदम उठाने के चलते दोषियों के खिलाफकार्रवाई करने एवं अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम एवं प्रतियां मंत्री ग्रामीण विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन भोपाल एवं प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन के नाम सौंपा गया। सौंपे गए ज्ञापन में उपरोक्त अधिकारियों द्वारा आत्महत्या के कदम के बाद जनपद सीईओ एवं उपयंत्री के परिजनों को शासन की ओर से 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने व खरगोन एवं धार के पीड़ित करने वाले अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज किया जाने तथा धार के जिला पंचायत सीईओ आशीष वशिष्ठ को बर्खास्त किए जाने की मांग की गई। पंचायत सचिव संगठन की मांगों में प्रदेश के पंचायत सचिवों को 1 अप्रैल 2018 से दिए गए छठवें वेतनमान निर्धारण में सेवा काल की घटना 1 अप्रैल 2008 से किए जाने एवं छठवें वेतनमान की गणना नियुक्ति दिनांक से की जाए तथा सातवें वेतनमान का लाभ तत्काल दिया जाने के साथ ही प्रदेश के पंचायत सचिवों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में संविलियन किया जाए। समन्वयक अधिकारी के रिक्त 100 फिसदी पदों पर पंचायत सचिवों की पदोन्नति की जाए। साथ ही प्रदेश में अनुकंपा के लगभग 600 लंबित प्रकरणों के चलते जिले में जिस संवर्ग का पद खाली नहीं है उन्हें अन्य जिले में अनुकंपा दी जाए। सौंपे गए ज्ञापन में ग्राम रोजगार सहायक संघ की मांगों को लेकर भी हवाला दिया गया। जिसमें रोजगार सहायकों की सेवा को अंशकालीन हटाते हुए संविदा कर्मियों की भर्ती 5 जून 2018 की नीति को लागू करते हुए उनके वेतनमान का निर्धारण कर वेतनमान के न्यूनतम का 90 फिसदी वेतन दिया जाए। इसी तरह मनरेगा कर्मचारी संगठन की मांगों , मुख्य कार्यपालन अधिकारी संगठन की मांगों एवं अभियंता संघ की मांगों एवं प्रधानमंत्री आवास समग्र स्वच्छता एनआरएलएम ब्लॉक समन्वयकों की मांगों व जिला जनपद पंचायत कर्मचारी संघ तथा मध्य प्रदेश पंचायत समन्वयक अधिकारी संघ की मांगों को भी ज्ञापन में शामिल किया गया।

ज्ञापन सौपे जाने के अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण रावत, रोजगार सहायक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद भाटी, ब्लॉक अध्यक्ष पंचायत कर्मचारी संघ परमेश्वर शर्मा, ब्लॉक समन्वयक पंचायत अधिकारी संघ ब्लाक अध्यक्ष बालाराम कछावा, ब्लॉक अध्यक्ष मनरेगा कर्मचारी संघ अनिल सोनी एवं संविदा उपयंत्री संघ के ब्लॉक अध्यक्ष आशुतोष गौतम सहित सुरेश शर्मा, रमेश कस्तूरिया, महेन्द्र गोचर, सुरेंद्र पाटीदार, महेश गोस्वामी, विनोद गोस्वामी, अशोक भट्ट, राजाराम मेहर, रिंकेश जोशी, फूलचंद जजावरा सहित अनेक पंचायत सचिव एवं अन्य कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे। विशेष करके ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि 7 दिवस में यदि आत्महत्या के लिए उकसाने वालों के खिलाफकार्रवाई नहीं की गई तो संयुक्त मोर्चा बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होगा, जिसकी समस्त जवाबदारी शासन की होगी।

# रहवासी क्षेत्र व मंदिर के पास बन रहा मुर्दाघर, रहवासियों में आक्रोश

**माही की गूंज, शुजालपुर।**

नगर में स्थित सिविल हॉस्पिटल के पीछे मुर्दा घर के पास में स्थानीय प्रशासन द्वारा ऑक्सीजन प्लांट बनाया जा रहा है, यह प्लांट प्रशासन द्वारा बिना किसी प्लानिंग के बनाया जा रहा था। इस कारण शुरू से ही यह प्लांट विवादों में रहा और बीच में ही इस प्लांट का काम प्रशासन को रोकना पड़ा, क्योंकि जहां प्लांट बन रहा था वहां मंदिर और प्लांट से हॉस्पिटल में अंदर जाने का कोई रास्ता भी नहीं था। पहले प्लांट का कार्य मंदिर प्रशासन द्वारा तोडा गया, फिर प्लांट का काम शुरू हुआ इतनी तोड़-फोड़ करने के बाद में प्रशासन को समझ आया कि, प्लांट का रास्ता कहां से देंगे तो फिर मुर्दाघर तोड़ने की योजना बनाई गई और वहां से प्लांट का रास्ता बनाने की कवायद शुरू हुई। उसके बाद उक्त मुर्दाघर को मंदिर व रहवासी क्षेत्र में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे स्व. मोतीराव देशमुख के घर के मुख्य द्वार से चिपका कर बनाया जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासी संदीप राव देशमुख का एकमात्र रास्ता भी पूरी तरह से बंद हो जाएगा और पास के ही बागरी समाज के मंदिर के लोगों को भी इस पर कड़ा एतराज है कि, मंदिर की दीवार से चिपका कर मुर्दा घर की दीवार बनाना कहां तक उचित है। इन सब लोगों ने अपना विरोध दर्ज कराया और कहा कि, यदि यहां मुर्दाघर बनता है तो हम इसका घोर विरोध करेंगे और इसके खिलाफआंदोलन करेंगे। स्थानीय निवासी संदीप राव देशमुख ने कहा कि, मेरा 100 बाय 100 का प्लाट है जिसका इकरारनामा उन्होंने मीडिया के सामने पेश किया, इसमें स्पष्ट लिखा हुआ है कि, मेरे प्लाट के बाद उत्तर दिशा में 15 फुट का रोड एवं उसके बाद हॉस्पिटल की जगह है और मैं अपनी निजी स्वामित्व की जगह पर ही काबिज हूँ। फिर भी प्रशासन तानाशाही पूर्वक जबरदस्ती यहां मेरे मुख्य द्वार से चिपका कर मुर्दा घर बना रहा है जो की कतई जायज़ नहीं है। यदि ऐसा होता है तो में और मेरा पूरा परिवार बच्चो सहित प्रशासन के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठेंगे और आमरण अनशन करेंगे।

# छेड़छाड करने वाले आरोपी को हुई 5 वर्ष की कैद

**माही की गूंज, मंदसौर।**

नाबालिग से ज्यादती के मामले में कोर्ट ने एक आरोपी को 5 वर्ष की कैद की सजा सुनाई है। सजा विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट जितेंद्रकुमार बाजोलिया ने सुनाई। एडीपीओ नितेश कृष्णन ने बताया कि, 17 नवंबर 2020 को पीड़ित के पिता ने भावगढ़ थाने में शिकायत की। इसमें बताया कि, राकेश पिता प्यारचंद्र उसके घर आया और बोला कि, लकड़ी काटने के लिए मजदूर चाहिए। इस पर मैं बेटी को लेकर लकड़ी काटने चला गया। यहां राकेश ने उससे छेड़छाड़ की, शिकायत के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। कोर्ट में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी राकेश को 5 वर्ष की कैद व 5 हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया।

# फोरलेन पर हुआ दर्दनाक सड़क हादसा, तीन लोगों की हुई मौत तीन वाहनों की हुई टक्कर

**माही की गूंज, रतलाम।**

एक बार फिर फोरलेन महू-नीमच हाईवे (नयागांव-लेबड फोरलेन) पर दर्दनाक हादसे में तीन लोगो की मौत हो गई, जबकि दोनों वाहन में बैठे बाकी लोग बुरी तरह से घायल हो गए। फोरलेन पर स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के सालाखेडी बायपास पर मालवा ढाबे के समीप सोमवार सुबह करीब 11 बजे तीन वाहनों की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई तथा छह व्यक्ति घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि, तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए ओर सड़क पर पलटी खा गए, वाहनों को देखकर उनके अंदर सवार लोगो के बचने की कोई उम्मीद नही लग रही थी।

पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर रतलाम से सालाखेड़ी की तरफसे जावरा की तरफजा रहा था उसके आगे लोडिंग पिकअप वाहन एमएच 12 पीक्यू 6453 चल रहा था, तभी सामने से आ रहे कंटेनर एचआर 47 डी 2330 ने पहले लोडिंग वाहन को टक्कर मारी, इससे लोडिंग वाहन एक तरफहोकर पलट गया। इसके बाद कंटेनर, ट्रैक्टर-ट्राली से जा टकराया, जिससे दोनों वाहन भी पलट गए। हादसे में लोडिंग

पिकअप वाहन में सवार सय्यद अली निवासी नागपुर (महा.) तथा उमर की मौके पर ही मौत हो गई। शाह मंजर पुत्र समसुद्दीन कुरैशी, नवनाथ सोलंकी, गुफरान तीनों निवासी पुणे घायल हो गए। वहीं ट्रैक्टर-ट्राली में सवार प्रहलाद रघुनाथ पलासिया निवासी ग्राम कठोड जिला रतलाम की मौत हो गई। ट्रैक्टर-ट्राली में सवार 45 वर्षीय रईस खान रतलाम घायल हो गए। इसी प्रकार कंटेनर में सवार मोहम्मद रईस निवासी ग्राम डवारसी थाना आदमपुर जिला अमरोहा (यूपी) व मोहम्मद तालिब निवासी ग्राम अहार जिला बुंदलशहर भी घायल हो गए।

# पुलिस की उदासीनता के चलते चोरों के हौसले बुलंद

**माही की गूंज, शुजालपुर। अजय केवट**

शुजालपुर मंडी क्षेत्र में आए दिन चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, मगर थाना प्रभारी कूलर कि हवा खाने में मस्त है। आज तक किसी बडी घटना का पर्दाफाश मंडी थाना पुलिस नही कर पाई है, जिसके कारण चोरे के हौसले इतने बुलन्द हो गए कि, वो रोजाना किसी न किसी घटना को अंजाम दे जाते है। वही शुजालपुर में आए दिन बडी आसानी से बाइक चोरी हो जाती मगर उनकी एफआईआर तक नहीं लिखी जाती, मजबूरन लोगों को दलालों का सहारा लेना पड़ता है। क्योंकि दलालों के सहारे मोटी रकम लेकर गाड़ी को पास करा दिया जाता है।

शुजालपुर मंडी बस स्टैंड पर खड़े हुए ट्रक के टायर चोरी का भी 2 माह बाद भी व आस-पास की दुकानो पर कैमरे होने के बाद भी शुजालपुर पुलिस पता नहीं लगा पाई है। वहीं दूसरी ओर शुजालपुर अनाज व्यापारी धन्ना जैन के यहां से हुए 50 हजार रूपए के डॉलर चना चोरी के सीसीटीवी फुटेज में चोर चोरी करता हुआ दिखाई दे रहा है, मगर उस पर भी शुजालपुर पुलिस ने आज तक कोई एक्शन नहीं लिया है।

सूत्रों की माने तो शुजालपुर मंडी पुलिस सिर्फ और सिर्फ अवैध वसूली में ही मस्त है। क्योंकि न ही उनको सटोरीए पर कोई कार्रवाई करना है और न ही गांजा तस्करों पर। शुजालपुर मंडी में 16 सटोरियों पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, पत्रकार रिक्स लिए समाचार प्रकाशित करवाता है तो, मंडी थाना के कुछ आरक्षक की मिलीभगत से पत्रकारों की सूचना इन सटोरियों व गांजा तस्करों को दे देते हैं। सूत्रों की माने तो कुछ आरक्षको का महीना बंदा जो हुआ है, जब कोई थाने पर सूचना देता है कि, मेडम वहां ऐसा हो रहा है तो पुलिस दबिश देने निकलती है उससे पहले ही उन्हीं के स्टाफके कुछ आरक्षको द्वारा सटोरियों को पहले ही सूचित कर देते हैं, जिसके कारण वे अपना अड्डा छोड़ कर साइड में खड़े हों जाते है। मगर शुजालपुर पुलिस इन सटोरियों पर इतनी मेहरबानी क्यों है? यह भी विचारणीय विषय बन चुका है। शुजालपुर मंडी थाना के कुछ ही दूरी पर 5, 7 सटोरिएं हैं जिसकी सूचना थाना प्रभारी तक को नहीं है। आखिर अपने थाने के लगभग कुछ ही दूरी की सूचना थाना प्रभारी को न पता होना या जानबूझ कर नज़र अंदाज़ करना यह भी बहुत बड़ा प्रश्न है?

# बढ़ती महंगाई के खिलाफमहिला कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

**माही की गूंज, शुजालपुर।**

देश व प्रदेश में पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस के हर रोज लगातार बढ़ते दाम के विरोध में आमजन की पीड़ा को देखते हुए महिला कांग्रेस ने शुजालपुर सिटी में बस स्टैंड से लेकर एसडीएम कार्यालय तक जंगी विरोध प्रदर्शन किया। जिसके तहत महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती सुनीता सोलंकी के नेतृत्व में महिला कांग्रेस युवक कांग्रेस एनएसयुआई व मुख्य कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस अवसर पर महिलाए बैलगाड़ी पर सवार होकर मोटरसाइकिल को बैलगाड़ी पर रखकर, मोदी सरकार के खिलाफजमकर विरोध प्रदर्शन व नारेबाजी की। ज्ञात रहे कि, मध्यप्रदेश में पेट्रोल और डीजल पूरे हिंदुस्तान में अन्य राज्यों की तुलना में सबसे महंगा है पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल मध्यप्रदेश की तुलना में 10 से 12 रूपए सस्ता है।

इस अवसर पर महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती स्मिता सोलंकी ने मीडिया के सामने कहा कि, आज से 70 वर्ष पहले भी महिलाएं चूल्हे पर खाना पकाती थी, आज फिर रसोई गैस मोदी के राज में इतनी महंगी हो गई है, फिर से गरीब महिलाओं को चूल्हे पर खाना बनाना को मजबूर होना पड़ रहा है। वही आज से 70 वर्ष पहले जब परिवहन के कोई साधन नहीं थे तब भी आमजन बैलगाड़ी से आना-जाना करते थे, उसी तरह मोदी के राज में पेट्रोल-डीजल की बेतहासा मूल्यवृद्धि होने के कारण आमजन अब बाइक से चलाने लायक नहीं बचा है। मोदी के विकास का पहिया आगे की वजह पीछे की ओर घूम रहा है और वह 70 वर्ष पहले के भारत के पुराने दौर में इस देश को पहुंचाना चाहते हैं।

इस अवसर पर पूर्व नप अध्यक्ष श्रीमती रचना के साथ प्रदेश सचिव महिला कांग्रेस श्रीमती चंचल जादौन व महिला कांग्रेस की अन्य महिलाएं उपस्थित थी। साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामवीर सिंह सिकरवार, अशोक परमार, केदार सिंह मेवाडा, बल्ला कप्तान सहित यूथ कांग्रेस एनएसयूआई के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

## न्यूज ब्रीफ

### बुनकरों को मिल सकता है एक लाख तक का पुरूस्कार

**माही की गूंज, खरगोन।** हाथकरघा क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं परम्परागत संस्कृति को संरक्षित करने वाले बुनकरों के प्रोत्साहन के लिए कबीर बुनकर पुरूस्कार प्रदान किया जाता है। म.प्र. के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा एक लाख रूपए तक का पुरूस्कार दिया जाता है। हाथकरघा विभाग के सहायक संचालक आरके सराफने बताया कि, वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए उत्पादित प्रविष्टियॉं 30 जुलाई तक मान्य की जाएगी। इसमें राज्य स्तरीय समिति द्वारा चयनित प्रविष्टियों को क्रमशः 1 लाख, 50 हजार और 25 हजार रूपए तक का पुरूस्कार और प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

### राज्यपाल का नाम ऐसा प्रयुक्त हो

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के नए राज्यपाल मंगुभाई छगनभाई पटेल ने म.प्र. के राज्यपाल के रूप में 8 जुलाई को शपथ ग्रहण की थी। राज्यपाल श्री पटेल ने निर्देश दिए हैं कि, समस्त प्रायोजन के लिए राज्यपाल श्री पटेल का नाम हिंदी में ''मंगुभाई छ. पटेल'' और अंगेजी में ÷मंगुभाई सी. पटेल÷ नाम से अंकित किया जाए। सभी प्रकार के पत्र व्यवहार, कार्रवाई में राज्यपाल श्री पटेल का नाम इसी नाम से अंकित किया जाए।

### आज से सार्थक एप्प पर अधिकारी कर्मचारी देंगे अटेंडेंस

**माही की गूंज, खरगोन।** आज से नवीन कलेक्टर भवन में संचालित विभागों के सभी जिला अधिकारी और कर्मचारी सार्थक एप्प पर अपनी अटेंडेंस देंगे। नवीन कलेक्ट्रेट भवन में कार्यरत् विभागों के लिए कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी के निर्देशों पर सार्थक एप्प बनाया गया है। इस एप्प पर लोकेशन और सेल्फी के माध्यम से अटेंडेंस सुनिश्चित होगी। कार्यालय पहूँचते ही चैकइन (अटेंडेंस) और कार्यालयीन समय खत्म होने पर चैकआउट करना अनिवार्य होगा। इस नई अटेंडेंस प्रकि्रया के लिए सभी अधिकारी, कर्मचारीयों को यूजर आईडी पासवर्ड दे दिया गया हैं, जिसकी उपस्थिति आज से ली जाएगी।

### थाना प्रभारी ललित सिंह डागुर को मिली पदोन्नति

**माही की गूंज, सनावद।** कोरोना काल के दौरान पुलिस थाना सनावद क्षेत्र में लॉकडाउन का पालन कराने और अपने कार्य के प्रति निष्ठावान होकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए समाज हित के अलावा पुलिस कर्मचारीयो के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य किया। थाना प्रभारी ललित डागुर को पदोन्नति देकर एसडीओपी बनाया गया है। डागुर ने करीब 30 वर्षों तक पुलिस में सेवाए देकर इस मुकाम तक पहुचे है।

थाना प्रभारी डागुर 54 वर्ष के होकर कोरोना महामारी के संघर्ष के दौरान 3 जून 2020 को सनावद थाना में पोसि्ंटग से वर्तमान तक क्षेत्र में कोरोना योध्दा के रूप में कार्य किया है। थाना प्रभारी डागुर ने थाना क्षेत्र में हुए मर्डर अपराधों में भी खुद मानिटिरिंग कर मामले को अल्प समय में ही अपराधों का निपटारा किया है जिसमे प्रमुख खंगवाडा, बिन्जलवाडा आदि है।

### जागरूकता कार्य कर रहा अमला

**माही की गूंज, अलीराजपुर।** कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता के मार्गदर्न एवं सीएमएचओ डॉ. प्रकाश ढोके के दिशा निर्देशन में जिले में दस्तक अभियान 19 जुलाई से 18 अगस्त 2021 तक संचालित होगा। उक्त अभियान के तहत मैदानी अमला एएनएम, आशा और आंगनवाडी कार्यकर्ता ग्राम स्तर पर उक्त अभियान के लिए जागरूकता कार्य और ग्रामीणों को उक्त अभियान की जानकारी दे रहे है। मैदानी अमला ग्राम स्तर पर दीवारों पर दस्तक अभियान की जानकारी अंकित करते हुए ग्राम स्तर पर व्यापक जागरूकता कार्य कर रहा है।

### पंचायत सचिव हुआ निलंबित

**माही की गूंज, बड़वानी।** जिला पंचायत सीईओ ऋतुराजसिंह ने ग्राम पंचायत रोसमाल के सचिव ज्वारसिंह सोलंकी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में सचिव सोलंकी का मुख्यालय जनपद पंचायत पाटी नियत किया गया है।

जिला पंचायत सीईओ ऋतुराजसिंह से प्राप्त जानकारी अनुसार, सचिव ज्वारसिंह सोलंकी के विरूद्ध थाना पलसूद में भारतीय दण्ड संहित की धारा 420, 120(बी), 4, 76, 79 एवं 6(1) के तहत एफआईआर दर्ज होकर 9 जुलाई से वर्तमान में केन्द्रीय जेल बड़वानी में पुलिस अभिरक्षा में रखे जाने के कारण निलंबित किया गया है।

### 5 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

**माही की गूंज, कुंदनपुर।** अपराधी कितना भी शातिर हो लेकिन पुलिस की नजरों से बच नहीं सकता। पिटोल चौकी के अंतर्गत 5 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी धन्ना पिता कल सिंह भूरिया निवासी गवसर के खिलाफधारा 376 पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज है को पिटोल चोकी प्रभारी रमेश कोहली ने आरक्षक अरविंद के सहयोग के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

# अतिक्रमण से पटी सड़कें, आमजन व वाहन चालकों का निकलना हुआ मुश्किल

## सख्त कार्रवाई के नाम पर प्रशासन का रवैया पूरी तरह उदासीन

**माही की गूंज, झाबुआ।**

शहर के रोहीदास मार्ग एवं जगमोहनदास मार्ग में पिछले कुछ महीनों से जैसे अतिक्रमण की बाढ़ आ गई है। जिसका कारण रहवासियों के साथ विशेषकर दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के आगे सड़क तक 5-6 फिट अतिक्रमण किए जाने से यह रहवासी मार्ग होने के बावजूद यहां बार-बार की जाम की स्थिति निर्मित होती है। आवागमन भी अत्यधिक बाधित रहता है। इस मामले में सख्त कार्रवाई के प्रति जिम्मेदार नगरपालिका का रवैया पूरी तरह से उदासीन है।

सिद्धेश्वर कॉलोनी से रोहीदास मार्ग में प्रवेश करते ही सड़क के एक ओर 4-5 दुकानदारों ने अपनी दुकान 6-7 फिट होने के साथ 4-5 फिट सड़क तक अतिक्रमण करते हुए कपड़ों की रेक (अलमारी) रखने, दुकानो के आगे शेड निर्माण करने, हींडिंग्स-फ्लेक्स आदि लगाने से मार्ग पर आवागमन अत्यधिक बाधित हो जाता है। सामने ही बैंक होने से आने वाले ग्राहकों द्वारा सड़क किनारे वाहन खड़े किए जाते है। दुकानों का अत्यधिक अतिक्रमण के कारण बड़े वाहनों को निकलना तो ठी,क छोटे दो एवं तीन पहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को भी निकलते में काफी दिक्कते आती है। इस कारण यहां पूर्व में कई दुर्घटनाएं घटित होने के साथ अक्सर विवाद की स्थिति भी निर्मित होती रहती है। साथ ही उक्त स्थान पर भीड़-भाड़ भी अधिक रहती है। आगे चलने पर जगमोहनदास मार्ग गली में भी मांस विक्रेताओ और अन्य दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किए जाने से यह गली भी अत्यधिक सकरी होने से आगवामन मे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी दिक्कते आती है।

### नालियां भी हुई गायब

रोहीदास मार्ग एवं जगमोहनदास मार्ग में अत्यधिक अतिक्रमण के कारण ही नालियों तो गायब ही हो चुकी है। नालियों के ऊपर ओटले बन जाने एवं सड़क पर 4-5 फिट का दोनो ओर अतिक्रमण होने से यहां सुबह लेकर रात तक यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई रहती है। रोहीदास मार्ग में कुछ चार पहिया वाहन भी 24 घंटे अव्यवस्थित खड़े रहते है, जो राहगीरों और अन्य वाहन चालकों के लिए आवागमन में रूकावट बनते है। जागरूक नागरिकों द्वारा उक्त स्थितियों की लगातार शिकायत नगरपालिका एवं वार्ड पार्षद को भी किए जाने पर इस मामले में कोई सख्त कार्रवाई प्रशासनिक स्तर से अब तक नहीं किया जाना, विचारणीय प्रश्न है .... ?

## मनरेगा में हुए घटिया कार्यो की पोल खुली पहली बारिश में पानी निकासी नही देने के कारण जगह-जगह कटी सड़क

**माही की गूंज, पेटलावद।**

विकास खंड की ग्राम पंचायत में मनरेगा कार्यो में हुए भ्रष्टाचार के पुख्ता प्रमाण पहली व मामुली बारिश में ही देखने को मिल रहे हैं। कहीं चैक डेम लिकेज है तो कही मनरेगा की सड़क बहने की स्थिति में आ गई। ग्राम पंचायत केसरपूरा में कुछ समय पूर्व ही सुदूर सड़क योजना में तीन सड़के लगभग 40 लाख रूपए की लागत से बनवाई गई। ग्राम पंचायत द्वारा उक्त तीनों सड़को में पानी निकासी के लिए एक भी पाइप नही डाला जिससे पहली ही बारिश में पानी के दबाव वाली जगह से सड़क जगह-जगह से कट गई।

ग्रामीणों ने बताया कि, मेलपाड़ा से मातापाड़ा ओर राजू के घर से भेरू फलिए तक बनी सुदूर सड़क के कई हिस्से मामुली तेज़ बहाव से ही बह गए। निर्माण कार्य मे हुई लापरवाही ओर पैसे कमाने की योजना के कारण विकास कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर रह गए। आने वाले दिनों में बारिश में ये बची-कुची सड़के भी बह सकती है का डर है। निर्माण कार्य के दौरान ग्राम पंचायत और उपयंत्री को इसका ध्यान रखना था लेकिन पंचायत ने जैसे-तैसे कार्य कर इतिश्री कर ली, जिससे अब लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

## महेश्वर डैम चोरियों के चोर आए पुलिस की पकड़ में

### 6 आरोपियों को 98 किलो तांबे के तार एवं एक कार के साथ किया गिरफ्तार, 3 फरार

**माही की गूंज, मण्डलेश्वर।**

बरसो से अनाथ पड़ी महेश्वर जल विद्युत परियोजना में हो रही चोरियों को अंजाम देने वाले 6 चोरों को पुलिस ने सामान्य गश्त के दौरान पकड़ा। आरोपियों की तलाश करते हुए एक सफेद कार क्र. एमपी 9 सीएच 9555 के पास 6 व्यक्तियों को तांबे के तार की खरीदी बिक्री का सौदा करते हुए पकड़ा। उनके पास तीन बोरियों में तांबे के तार बरामद हुए। पूछताछ करने पर चोरों ने महेश्वर जल विद्युत परियोजना से तांबे के तार चोरी करना कबुल किया।

चोरों के पास से 98 किलो तांबे के तार कीमत लगभग सवा लाख रुपए, 4 मोबाइल, एक कार कीमत लगभग 4 लाख तथा 1 लाख रुपए नकद जब्त किए गए। इस तरह कुल 6 लाख 25 हजार रुपए का माशरूका चोरों से बरामद किया गया।

### ये बदमाश आए पुलिस की पकड़ में

थाना प्रभारी संतोष सिसोदिया ने जानकारी देते हुए मिडीया को बताया कि, मुखबिर की सूचना के आधार पर पकड़ मे आए बदमाशों को थाने लाकर पूछताछ करने पर 3 व्यक्तियों ने अपने नाम धनशयाम उर्फपिंटु पिता रामबाबु सोनी उम्र 30 निवासी मंडलेश्वर, मुकेश पिता खडगसिंह मालवीया उम्र 23 साल निवासी सोनिया नगर, विदुर पिता फुलचंद चौहान जाति भील उम्र 30 साल सोनिया नगर मंडलेश्वर के होना बताया और उन्होंने उक्त कापर वायर को एस कुमार डेम के उपरी हिस्से से चोरी किए गए वायर को जलाकर उसमे से कापर तार निकालकर बेचना स्वीकार किया एवं अपने साथी द्वारा बुलाए गए तीन व्यक्ति अनिल उर्फकल्लु पिता रतन चौधरी (34), सकिल पिता इसाक पठान खान (42) एवं ईश्वर पिता सुरेश मालवीय (23) निवासी इंदौर चोरी किए गए कापर वायर को खरीदने हेतु आना स्वीकार किया गया। मौके से अंधेरे व झाड़ियों का फायदा उठाकर 3 आरोपी फरार हो गए।

# दिग्विजय सिंह पर हुए हमले पर कांग्रेस ने किया विरोध दर्ज, फूंका ग्रह मंत्री का पुतला

### जिले की कानून व्यवस्था बिगड़ी, जिलाध्यक्ष मामले में महिला की सुनवाई क्यों नही- जीवन ठाकुर

**माही की गूंज, पेटलावद।**

भोपाल में पुलिस द्वारा पुर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ हुई मारपीट व अभद्र व्यवहार को लेकर कांग्रेस में भारी नाराजगी देखी गई, जिसको लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने भारी विरोध दर्ज करवाया ओर ग्रहमंत्री का पुतला फूंका। कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफभारी नारेबाजी भी की, सुबह से ग्रहमंत्री का पुतला दहन की जानकारी लगने के बाद नगर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया था, खुद एसडीओपी सोनू डावर मोर्चा सभाले हुए थी। कई पुलिस वाले सादी वर्दी में निगरानी कर रहे थे फिर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओ को पुलिस, पुतला दहन से नही रोक पाई और जनपद कार्योलय के बहार ग्रहमंत्री का पुतला फूंका दिया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जले हुए पुतले पर नारेबाजी करते हुए लाते भी मारी। मौके पर मौजूद सादी वर्दी में खड़े पुलिस जवान ने पानी डालकर पुतले में लगी आग बुझाई।

विधायक प्रतिनिधि मन्ना हामड ने बताया कि, पूर्व मुख्यमंत्री के साथ पुलिस ने मारपीट की जिसके लिए विरोध किया गया।

### जिलाध्यक्ष वाला मामला भी गर्माया

कांग्रेस के शहर अध्यक्ष जीवनसिंह ठाकुर ने भाजपा जिलाध्यक्षा लक्ष्मण सिंह नायक पर महिलाओं द्वारा लगे योन शोषण के गंभीर आरोप को लेकर ग्रहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को घेरते हुए कहा कि,

पिछले दिनों झाबुआ दौरे पर आए प्रदेश के गृहमंत्री को महिला ने योन शोषण की शिकायत की थी ओर मंत्री जी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नही हुई है। जीवन ठाकुर ने कहा कि, भाजपा ऐसे जिलाध्यक्ष को बनाए रखना चाहती है तो बनाए रखे, ये उनके पार्टी का अंदरूनी मामला है मगर महिला द्वारा की गई शिकायत पर पुलिस प्रकरण दर्ज होने चाहिए।

## सिलावद में मंत्री की पहल से प्रारंभ हुआ बच्चो का एनआईसीयू वार्ड

**माही की गूंज, बड़वानी।**

जिले के कोरोना प्रभारी मंत्री प्रेमसिंह पटेल की पहल पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिलावद में बच्चों के एनआईसीयू वार्ड का लोकार्पण कैबिनेट मंत्री श्री पटेल के प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल ने बुधवार को किया। सिलावद में यह एनआईसीयू प्रारंभ हो जाने से इस पहाड़ पट्टी के ग्रामो में समय के पूर्व या कम वजन के पैदा होने वाले बच्चों को समुचित चिकित्सा सुविधा देना सरल हो जाएगा। इससे बच्चो के मृत्यु दर को कम करने में मदद मिलेगी। शुभारंभ अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे ने भी बच्चों के एनआईसीयू की विशेषता बताते हुए, इसे क्षेत्र के लिए अत्यन्त उपयुक्त बताया।

## अनुकम्पा नियुक्ति से लाभान्वित कर्मियों का प्रारंभ हुआ ई-दक्षता प्रशिक्षण

**माही की गूंज, बड़वानी।** मुख्यमंत्री के उदार अनुकम्पा नियुक्ति से लाभान्वित नवनियुक्ति कर्मियों को ई-दक्षता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके तहत नवनियुक्त कर्मियो को ई-दक्ष केंद्र बड़वानी में कंप्यूटर का तकनीक प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। जिससे यह कर्मी तकनीकी रूप से कुशल होकर शासकीय कार्य आसानी से कर सके। कलेक्टर के निर्देशन एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंशु जावला के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर अक्षय सोनी के द्वारा दिया जा रहा है। दो सत्रो में 20 कर्मचारियों को कंप्यूटर की बारीकिया सिखाई जा रही है।

# शिक्षा के मंदिर का निर्माण युगों-युगों तक बनता है मार्गदर्शक

## 3-3 करोड़ रूपए की लागत के कार्यो का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

**माही की गूंज, खरगोन।**

शिक्षा के मंदिर का निर्माण कार्य युगों-युगों तक आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनता है। ऐसे ही शिक्षा के मंदिरों में सामाजिक और धार्मिक चेतनाओं का उदय भी होता है। शिक्षा के मंदिर स्कूल और महाविद्यालय समाज के लिए निरंतर मार्गदर्शन के कार्य करते हैं। इसीलिए म.प्र. शासन आज भी किसी भी कॉलेज में निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण और निश्चित समय में पूरा करती है। आगे भी शासन की यही नीति होगी चाहे इंडोर हॉल हो या कॉलेज निर्माण या कई तरह की गतिविधिया हो। उक्त बात उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने 3 करोड़ की लागत से बने इंडोर मल्टीपर्पज स्पोर्टस् हॉल के लोकार्पण और 3 करोड़ 40 लाख रूपए की लागत से बनने वाली बॉटनी लैब के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के हॉल में कही। इस दौरान खरगोन-बड़वानी लोकसभा सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल, राज्यसभा सांसद सुमेरसिंह सोलंकी, कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. सुरेश टी सिलावट, अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आरएस देवड़ा व स्टॉफमौजूद रहे।

### नई शिक्षा नीति से विकास की नई पीढ़ी तैयार होगी

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि, अभी शासन ने नई शिक्षा नीति 2020 लागू की है। इस नई शिक्षा नीति से देश में एक नई विकास की पीढ़ी तैयार होगी। इस नई शिक्षा नीति के लिए 1 लाख 50 हजार से अधिक विद्धवानों के सुझाव लिए गए थे। इसके बाद नई शिक्षा नीति तैयार हुई है। यह शिक्षा नीति ऐसी है जो प्रतिभाओं का आगे बढ़ाने में अग्रणी रहेगी। यहाँ न सिर्फडिग्री बल्कि हुनर और कौशल भी तैयार होगा। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव को छात्रों द्वारा दिए गए ज्ञापनों के बारे में कहा कि, कई छात्रों ने नए कोर्स प्रारंभ करने के लिए ज्ञापन दिए हैं। आने वाले समय में योग्य और प्रोफेशनल कोर्स प्रारंभ किए जा सकेंगे। चाहे इसमें डिप्लोमा हो सर्टिफिक्रेट कोर्स हो या डिग्री कोर्स हो शासन ने हाल ही में 267 नए कोर्स प्रारंभ किए हैं।

### नई बॉटनी लैब में लिफ्ट की होगी व्यवस्था

नई बॉटनी लैब के भूमिपूजन को लेकर प्रो. देवड़ा ने बताया कि, तीन मंजिला लैब होगी, इसमें दिव्यांगजनों के लिए लिफ्ट की व्यवस्था भी होगी। इसके अलावा इस लैब में पीजी के छात्रों के लिए विशेष प्रकार के उपकरण भी उपलब्ध होंगे। जिससे छात्रों में इंटरेस्ट बढ़ेगा। यह बॉटनी लैब विश्व बैंक और जनभागीदारी के सहयोग से 3 करोड़ 40 लाख रूपए की लागत से तैयार होगी। प्रो. देवड़ा ने कॉलेज में दो नए सहायक प्रधापकों के पद स्वीकृत होने की भी खुशी जाहिर की है।

# स्ट्रीट लाईट बंद होने से आमजन परेशान, शिकायत के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

नगर के गली-मोहल्लो में शाम होते ही सड़कें अंधेरे में डूब जाती हैं। यहां दिखावे के लिए खंबो पर स्ट्रीट लाइट तो गलाईं हैं लेकिन स्ट्रीट लाइट खराब होने के चलते शाम के समय यह जलती नहीं हैं। खराब होने की वजह से स्ट्रीट लाइट खंबों पर सिर्फ दिखावे के लिए बनकर रह गई हैं। इनका देख-रेख का जिम्मा नगर पालिका के पास है लेकिन देख-रेख नहीं होने के चलते अधिकांश स्ट्रीट लाइट पूरी तरह से खराब हो गई हैं। प्रकाश व्यवस्था चालू कराने के लिए कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है।

बहारपुरा मंसुरी चोक पर एलईडी लाइट बन्द चालू हो रही, बर्फफैक्ट्री के सामने, स्ट्रीट लाइट पिछ्ले कुछ माह से खराब पड़ी हुई है। यहां रात होते ही सड़क पर पूरी तरह से अंधेरा छा जाता है। इससे महिलाओं को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शिकायत के बाद नगर पालिका के द्वारा एलईडी बल्ब लगाए गए थे लेकिन वे भी ज्यादा दिनों तक नहीं टिके और बंद हो गए। जिससे सड़क पर एक बार फिर अंधेरा छा गया। बर्फफेक्ट्री के सामने लाइट मरम्मत के लिए आए कर्मचारी सही तरह से ठीक नही करी।

मोहल्ले के लोगो ने कहा कि, लाइट सही नही कर रहे तो कर्मचारी बोले कि लाइट बहुत ऊपर है और चले गए। मोहल्ले के निवासी ने जिसकी शिकायत नपा सीएमओ को तुरंत की उसके बाद भी कोई कार्रवाई नही हुई।

इसके अलावा ओखा बाबा मंदिर के समीप स्ट्रीट लाइट खराब होने की सूचना नपा को कई बार दे दी गई, बावजूद इसके यहां स्ट्रीट अब तक दुरुस्त नहीं कराई गई है। कर्मचारी द्वारा कहा गया है कि, नगरपालिका में स्टेट लाईट का सामान खत्म हो गया है तो 2 दिन में आजाएगा तो लगा देंगे। लेकिन उस दिन को 8 दिन हो गए लेकिन नगरपालिका में सामान नही आया जिससे गलीवासियों को रात में चोरो का डर बना रहता है। इस ही गली से 2 गली और निकलती है जहाँ पर में पूरी रात अंधेरा बना रहता है।

### शिकायत के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई

नगर में स्ट्रीट लाइट कई वार्डों में खराब पड़ी हुई हैं। इसकी शिकायत के लिए कई बार लोगों ने न.पा कर्मचारि को जाकर शिकायत की है। लेकिन कर्मचारी स्ट्रीट लाइट सुधरवाने का भरोसा देकर लौटा देते हैं। शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

# नापतोल विभाग की अनदेखी के कारण व्यापारियों की चांदी, गरीब खरीददार कम तोल के शिकार

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

जिले में कई ऐसे विभाग है जिन्हें अनेक जवाबदारी सौंपी गई है। उन्हें अपने विभाग के नियमों आदि के परिपालन हेतु सतत निगरानी करना चाहिए मगर देखा गया है कि, ऐसे अनेक विभाग है जो कि अपने विभागीय कर्तव्यों के प्रति उदासीन रह रहे हैं। उनमें से नापतोल विभाग भी एक है जो कि, अपने कर्तव्य के प्रति उदासीन बने होने के कारण गरीब ग्राहकों को कम तोल का शिकार होकर सरे बाजार लुटने को मजबूर होना पड़ रहा है।

अलीराजपुर-झाबुआ जिला आदिवासी बाहुल्य जिला होकर दोनों जिले में साक्षरता का स्तर अभी बहुत पीछे हैं। ग्रामीण साप्ताहिक हाट बाजारों में अनेक रोजमर्रा के सामान खरीदने आते हैं, इन साप्ताहिक हाट बाजारों में विभिन्न प्रकार के सामग्री विक्रेता व्यापारी आते हैं। जो कि, ठेलागाड़ीयो या नीचे जमीन पर बैठकर धंधा करते हैं, यहां व्यापारी से खुले आम ग्राहकों को लुटते देखे जा सकता हैं। ऐसे ही एक आम फल की दुकान पर हमारे प्रतिनिधि ने आम विक्रेता की तराजू देखी तो पता चला कि, तराजू के साथ छेड़छाड़ कर ग्राहक को चुना लगाया जा रहा है। 2 किलो आम जब अन्य तराजू पर तौला गया तो 2 किलो में से 300 ग्राम वजन में कम निकले, कम तोलने पर हमारे प्रतिनिधि ने उसे समझाया तथा दोबारा ऐसा नहीं करने की हिदायत दी।

अगले सप्ताह हमारे प्रतिनिधि ने पुनः उक्त व्यापारी के साथ दो ग्रामीणों कमलसिंह कनेश (भोरदू) तथा रमेश बघेल (झोरा)को भेजा तथा आम का भाव तथा तराजू देखने को कहा तो जब इन दोनों ने देखा तो विगत सप्ताह की भाँति यह आम विक्रेता पुनः कम तौलता पाया गया। चूँकि यहां कोई जवाबदार अधिकारी नहीं रहता है और न ही नापतोल विभाग का कोई अधिकारी कर्मचारी हाट बाजार में भ्रमण ही करते हैं। ये ही कारण है कि, नापतोल विभाग की उदासीनता के कारण ऐसे व्यापारी हाट बाजारों में खुलेआम ग्राहकों को लूट रहे हैं। कम तोलने के अलावा इनके बॉटो में नापतोल विभाग के सिक्के भी लगे हुए नहीं है पता चला कि, हाट बाजार में धंधा करने आने वाले अधिकांश हाथ ठेला या जमीन पर दुकान लगाकर धंधा करने वाले ऐसे ही कमतोल कर ग्रामीणों को हीं नहीं अपितु पढ़े-लिखे ग्राहकों को चूना लगा रहे हैं। पढ़ा-लिखा ग्राहक इन पर विश्वास कर कम सामान लेकर चला जाता है, यदि नापतोल विभाग साप्ताहिक हाट बाजार में जांच करें तो अनेक ऐसे व्यापारी मिल जाएंगे जो कम तोल कर ग्राहकों को चूना लगा रहे हैं।

# प्रतीक्षा के बाद झूमकर बरसे बादल, कृषकों में हर्ष

### हथनी नदी भी इठला कर बहने लगी

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

क्षेत्र में विगत दिनों से कृषक बारिश की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे थे, जिन्होंने बीज बो दिए थे वे उगने का इंतजार कर रहे थे तथा जिन खेतों में बीज अंकुरित हो गए थे उन्हें जीवित रखने की जुगत की जा रही थी। ऊपर वाले ने कुछ मेहरबानी की तथा बादल जमकर बरसे। आम्बुआ, अडवाड़ा, झौरा, बोरझाड़ आदि अनेक ग्रामों के कृषक विगत 15 दिनों से अधिक समय से बारिश की प्रतीक्षा कर रहे थे, यहां से 10-11 किलोमीटर दूर के सुदूर क्षेत्र में वर्षा होने की खबरें आती रही, मगर इन क्षेत्रों में इंतजार ही होता रहा। कुछ कृषकों ने हल्की वर्षा के बाद खेतों में बुवाई कर दी तो कई बुवाई की प्रतीक्षा कर रहे थे। जिन्होंने खेतों में बीज बो दिए उनमें से कुछ खेतों में बीज अंकुरित हो गए जिन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा था, कई खेतों में पड़े बीज खराब हो गए। जिस कारण कृषकों को दोबारा बुआई करना पड़ सकती है। कृषक भगवान से प्रार्थना कर रहे थे कि, बारिश हो जाए उनकी प्रार्थना लंबे इंतजार के बाद 10-12 जुलाई की शाम से देर रात तक हुई झमाझम बारिश से पूर्ण हुई। अच्छी वर्षा से फसलों को राहत मिली वहीं नदी-नालों में भी पानी बह निकला संभावना है। आगामी दिनों में और अधिक तेज बारिश होगी, जिससे कृषक को को राहत मिलेगी वर्षा की खैच के कारण इस वर्ष बुवाई का रकबा कम होने की संभावना है।

# कांग्रेस ने पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस की मूल्यवृद्धि के विरोध में निकाली अर्थी यात्रा

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

जिला कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस ने केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार की जनविरोधी नितियो, बढ़ती हुई महंगाई, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस एवं खादय तेल के दामों में बेतहाशा मूल्यवृद्धि को लेकर विरोध स्वरुप अनुठा प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने बेतहाशा महंगाई को लेकर हाथ ठेला गाडी पर मोटर साईकिल, रसोई गैस टंकी एवं खाद्य तेल का डब्बा रख अर्थी यात्रा निकाली। इस दौरान कांग्रेसियो ने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी नितियो के खिलाफ जमकर नारैबाजी भी की।

### मंहगाई से आमजनो मे मचा हाहाकार

स्थानिय सिनेमा चैराहे स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेसजन जमा हुए। यहां से जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, विधायक मुकेश पटेल, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष तरुण मंडलोई एवं युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष शंकर बामनिया के नेतृत्व में महंगाई के विरोध मे अर्थी यात्रा निकाली गई। यात्रा रणछोड मंदिर, बस स्टैंण्ड, निम चैक होते हुए दाहोद नाका पर पहुंची। यात्रा मे हाथ ठेला गाडी पर रखी मोटर साईकिल, रसोई गैस टंकी एवं खाद्य तेल का डब्बा अर्थी में शामिल था। कांग्रेसजन भाजपा सरकार की जनविरोधी नितियो के खिलाफ जमकर नारैबाजी करते हुए चल रहे थे। यात्रा का समापन दाहोद नाके पर हुआ।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल ने कहा कि, केंद्र की मोदी सरकार के राज मे देश की अर्थव्यवस्था वेंटिलेटर पर है, रोजगार सृजन कोमा मे है, न नोकरी है न रोजगार ओर उपर से बेतहाशा महंगाई से आमजनो का बुरा हाल है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस एवं खाद्य तेल के दामों में बेतहाशा मूल्यवृद्धि से आज देशभर मे हाहाकार मचा हुआ है। विधायक मुकेश पटेल ने कहा कि, मोदी सरकार के राज मे इन दिनो देश मे महंगाई चरम पर पहुंच गई है, मोदी सरकार ने बडे-बडे उघोगपतियो को फायदा पहुंचाने की नियत से सभी क्षैत्रो मे निजिकरण कर दिया है। जिससे देश के गरिबवर्गो को लाभ नही मिलने वाला है। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर, जाहिर मुगल, राजेंद्र टवली, सानी मकरानी, कैलाश चैहान, राजू चैहान, शाबीर बाबा, पुष्पराज पटेल, सोनू वर्मा, अजहर चंदेरी, सुमित गुप्ता, चितल पंवार, जीतू देवडा, मनीष चैहान, वेभव बघेल, सुनील भायडिया, पिंटू सेन, अरविंद पटेल, दौलत भाई सुरेंद्र चैहान, ईरफान मंसूरी, करमसिंह मंडलोई, सलमान मकरानी, लालू, अंगरसिंह, कमलेश भिंडे, संजय रावत, वेस्ता बामनिया, रंजीत पचाया राहुल तोमर, आकाश डावर, प्रकाश बघेल सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# पेपर वाहन की ट्रक से भिड़ंत, घटनास्थल पर एक की मौत

### दूसरे को इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में हुई मृत्यु

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

आम्बुआ से लगभग 7 किलोमीटर दूर ग्राम सेवक मोटाउमर सीमा पर आज तड़के जोबट की ओर से आ रहे पेपर वाहन की आम्बुआ की ओर जा रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत होने से मोके पर एक युवक की मौत हो गई, वही एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार इको वेन जोकि इंदौर से समाचार पत्रों के बंडल लेकर आती है। आज सुबह तड़के 6 बजे के लगभग जोबट से आते समय सामने से आ रहे ट्रक क्रमांक एमपी 13 एच 5557 से आमने-सामने की भिड़ंत होने से उसमें सवार राजू चौहान नाम के युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। वही अंकित साहू निवासी इंदौर के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। घायल को अलीराजपुर अस्पताल ले जाया जा रहा था उसने भी रास्ते में दम तोड़ दिया।

# ग्रामीण क्षेत्रों के टीकाकरण केन्द्रों पर उमड़ रही भीड़

**माही की गूंज, थांदला।** नगरीय क्षैत्रो के साथ ग्रामीण क्षेत्रो मे भी कोरोना टीकाकरण के लिए जागरूकता आई है। लोग टीकाकरण केन्द्रो पर स्वयं ही पहुचने रहे है और ग्रामीण क्षैत्र के केन्द्रो पर भीड देखी जा सकती है। वेक्सीन की कमी होने पर कई केन्द्रो को बंद किया जाता है, वेक्सीन की उपलब्धता के आधार पर केन्द्रो पर वेक्सीन दी जाती है, वही जिन केन्द्रो पर वेक्सीन लगाई जा रही है वहा अपेक्षा से ज्यादा भीड उमड़ रही है। ब्लाक के 21 केन्द्रो पर 3 हजार 550 डोज वेक्सीन की लगाई गई। ग्रामीण क्षैत्रो मे वेक्सीन के लिए लंबी कतारे लग रही है जैसे चुनाव के समय वोटिग के लिए लाईन लगाई जाती है। गांवो मे टीकाकारण केन्द्रो पर महिलाएं भी खादी तादाद मे पहुंच रही है जिन्हे देखकर लगता ग्रामीण क्षैत्रो मे वेक्सीन के प्रति फैला भ्रम खत्म हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रो मे टीकाकरण की गति बढने की एक वजह प्रवासी मजदूरो का बारिश के मोसम मे घरो को लौटना भी है प्रशासन वेक्सीन के पर्याप्त की व्यवस्था कर क्षैत्र की आबादी के एक बडे हिस्से का टीकाकरण कर सकता है। आगामी वर्षाकाल के दो माह तक प्रवासी मजदूर अपने गांवो मे ही रहेगे जिनका टीकाकरण करना आसान होगा।

# राज्यसभा सांसद मप्र सोलंकी तथा भाजपा प्रदेश मंत्री पटेल का किया स्वागत

**माही की गूंज, झाबुआ।** राज्यसभा सांसद मप्र डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी के झाबुआ प्रवास के दौरान स्थानीय सज्जन रोड़ पर मरी माता मंदिर चौराहा पर स्वदेशी जागरण मंच ने उनके काफिले को रूकवाकर डॉ. सोलंकी तथा भाजपा के प्रदेश मंत्री जयदीपसिंह पटेल का स्वागत कर उनसे विभिन्न मुद्दों पर आवश्यक चर्चा की।

स्वदेशी जागरण मंच की जिला इकाई झाबुआ की ओर से विभाग प्रमुख दिलीप जोशी तथा विधानसभा प्रभारी अनिल पोरवाल (भुरूभाई) के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद डॉ. सोलंकी तथा प्रदेश मंत्री पटेल का पुष्पामाला तथा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। जिसके बाद जोशी तथा पोरवाल ने आदिवासी बाहुल इस जिले को स्वावलंबी बनाने के लिए यहां कार्यरत स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार की जाने वाली सामग्रीयों को शासकीय तथा अ?र्द्ध शासकीय कार्यालयों में प्राथमिकता से क्रय करने का प्रावधान किए जाने की मांग रखी। ताकि ग्रामीणजन आर्थिक रूप से सशक्त और मजबूत हो सके। इस पर डॉ. सोलंकी ने भविष्य में विस्तृत कार्ययोजना बनाकर अमल करने की बात कहीं। इस अवसर पर करण भूरिया, प्रकाश पालिवाल, मुकेश चंदेल, शेखर भाटी, जाऊभाई शाह आदि उपस्थित थे।

# हिन्दू युवा जनजाति संगठन अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष की घोषणा की

**माही की गूंज, अलीराजुपर।**

हिन्दू युवा जनजाति संगठन अलीराजपुर में प्रदेश उपाध्यक्ष बीरबल डडुवे, प्रदेश महामंत्री प्रदीप तोमर, प्रदेश प्रवक्ता सुरेश मण्डलोई, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप चौहान व जिलाध्यक्ष रोंशन पचाया की अनुशंसा पर 0जिले में संगठन का विस्तार करते हुए जिलाध्यक्ष रोशन पचाया के द्वारा जिले के सभी पाँच ब्लॉक व सभी मडंलों की संगठनत्माक घोषणा की गई है।

उदयगढ से अजय मौर्य, बोरी से अध्यक्ष मोहबत सिगाड़, आम्बुआ से अध्यक्ष लालु मजुल्दा, जोबट से मंडल अध्यक्ष अमन डडुवे, चांदपुर से मडंल अध्यक्ष हरीश भिण्डे, सोरवा से मडंल अध्यक्ष अमित जमरा, आजाद नगर से मडंल अध्यक्ष संदेश कनेश, खट्टली से मडंल अध्यक्ष दिनेश जमरा को नियुक्ति की गई। उसके पश्चात् सभी ब्लॉक अध्यक्ष व उपाध्यक्ष की घोषणा की गई, जिसमें आलीराजपुर से ब्लॉक अध्यक्ष जुवानसिंह डडुवे, उदयगढ से ब्लॉक अध्यक्ष भारतसिंह डावर, कट्ठीवाडा से ब्लॉक अध्यक्ष सुरेन्द्र तोमर व उपाध्यक्ष गणेश पटेल, चन्द्रशेखर आजाद नगर के ब्लॉक अध्यक्ष भगतसिंह परमार व उपाध्यक्ष भावेश अखाड़िया को नियुक्ति की गई। जिसमें अलीराजपुर के सभी जिला पदाधिकारी जिला सगठन मंत्री प्रकाश जमरा, जिला सह संगठन मंत्री मुकाम पटेल, जिला उपाध्यक्ष मगन चौहान, मगन मजुल्दा, समरथ पचाया, अनूप डावर, जिला महामंत्री सुरेश डावर, हरिश कलेश, मुकेश अजनार, जिला महासचिव कालुसिंह रावत, जिला प्रवक्ता सुरेश सस्तिया, जिला मंत्री रणजीत बघेल, उमेश भूरिया, पारसिंह चौहान, मगल कनेश, राजेन्द्र बघेल, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश चौहान जिला कार्यालय मंत्री नरेन्द्र भिण्डे, जिला मीडिया प्रभारी हेमन्त तोमर व कार्याकर्ताओं ने हर्ष जातते हुए सभी नवीन पदाधिकारीयो को बधाई दी।

# हमारे यहां भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज नहीं होती- सीएम हेल्पलाइन

## बिना निराकरण के समाप्त हो जाती है शिकायत, क्या हेल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों से घबरा गई सरकार...?

**माही की गूंज, पेटलावद।**

भ्रष्ट अधिकारी के शिकार होने वाले आमजन की आखरी उम्मीद बनी मुख्यमंत्री की सीएम हेल्पलाइन भी अब लगता है कि, भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन गई है। क्योंकि यहां दर्ज होने वाली शिकायतो में अब शिकायत का मापदंड देखा जा रहा है। हेल्पलाइन डेस्क पर बैठे कर्मचारी शिकायत को परबारे निपटा कर समाप्त कर देते हैं या कुछ भी कारण बताकर शिकायत दर्ज करने से मना कर देते हैं। विगत दिनों में हमारे संज्ञान में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनको देख कर लगता है कि, अब लोगो को मुख्यमंत्री की सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से मिलने वाले उचित न्याय की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए।

### मामला नंबर -1 बिना जानकारी के कर दिया निराकरण

पेटलावद से लेकर रायपुरिया तक के मार्ग का निर्माण दिलीप बिल्डिकान कम्पनी द्वारा किया गया है। वर्तमान में मार्ग पर दोबारा डामरीकरण किया गया, जिससे रोड के दोनों ओर के सोल्डर ऊंचे हो गए जिससे वाहन दुर्घटना के शिकार हो रहे थे। एमपीआरडीसी और दिलीप बिल्डिकान द्वारा इस और ध्यान नही दिया गया तो, शोल्डर के कारण दुर्घटना का शिकार हुए व्यक्ति ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवा दी, जिसका शिकायत क्रमांक 13769769 दर्ज की गई। शिकायत दर्ज होने के बाद लगातार शिकायतकर्ता को कार्य जल्द करने का आश्वासन देकर शिकायत वापस लेने के लिए एमपीआरडीसी के अधिकारियों सहित दिलीप बिल्डिकान की और शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया। जब शिकायतकर्ता ने कार्य होने तक शिकायत वापस लेने का कहा तो, दिलीप बिल्डिकान ओर विभाग ने कार्य शुरू होने की झूठी जानकारी देकर शिकायत का निराकरण कर दिया। जिसकी जानकारी शिकायतकर्ता को लगी जब बरसात के कारण रोड के सोल्डल की हालत और दयनीय हो गई। जब शिकायतकर्ता ने दोबारा शिकायत करने की बात कही तो सीएम हेल्पलाइन से जवाब मिला कि, आपकी शिकायत बन्द हो गई और नई शिकायत दर्ज करनी पड़ेगी और उसके लिए दोबारा फोन लगाना पड़ेगा। वर्तमान में बारिश के कारण सोल्डल की स्थिति और गंभीर हो गई है दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। वही आमजन की समस्या का निराकरण करने की बजाए मुख्यमंत्री महोदय हेल्पलाइन के नाम पर लोगो की गुमराह करने में लगे हुए हैं।

### मामला नंबर -2 भ्रष्टाचार और अधिकारियों के विरूद्ध शिकायत दर्ज नहीं करते

ग्राम पंचायत जामली निवासी बलराम पाटीदार द्वारा ग्राम पंचायत में मनरेगा योजना में फर्जी मजदूरी करने की शिकायत जनपद सीईओ, सहित अनुविभागीय अधिकारी और तहसीलदार पेटलावद को की गई थी। लेकिन शिकायत के 45 दिन बीत जाने के बाद भी के कार्रवाई नही होने पर बलराम पाटीदार द्वारा सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज करवाने के लिए प्रयास किए लेकिन हेल्पलाइन से सीधा जबाब दिया गया कि, यहां भ्रष्टाचार की शिकायत दर्ज नही होती। काफी बहस के बाद शिकायतकर्ता ने कहा कि, मेरी लिखित शिकायत के इतने दिन बाद भी कार्रवाई नही करने वाले अधिकारियों की शिकायत दर्ज कर लो, तो हेल्पलाइन से दोबारा जवाब मिला कि, यहां अधिकारीयो की शिकायत दर्ज नही होती। इस प्रकार से शिकायतकर्ता लगातार कई दिनों से परेशान होने के बाद भी शिकायत दर्ज नही हो सका।

### मामला नम्बर 3 - सामलाती खातेदार की बिना जानकारी के हो गई राजस्ट्री, हेल्पलाइन पर दर्ज नही हुई शिकायत

पेटलावद पटवारी हल्का नम्बर 5 में बिना सामलाती खातेदार की जानकारी में आए बिना अन्य खातेदार द्वारा बिना बंटवारे के भूमि अन्य व्यक्ति को बेचकर उप पंजीयक कार्यलय से रजिस्ट्री करवा दी। मामले की जानकारी खातेदार को नामान्तण के बाद मिली तो इसकी शिकायत एसडीएम पेटलावद को शिकायतकर्ता द्वारा की गई। शिकायतकर्ता विक्रम कटारा द्वारा मामले में उप पंजीयक पेटलावद, पटवारी हल्का नबंर 5 और विक्रेता के विरुद्ध सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाना चाही, लेकिन शिकायत दर्ज करने के बजाए सीएम हेल्पलाइन से कहा गया कि, ये मामला पुलिस का है आप पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाओ, इस संबंध में यहां शिकायत दर्ज नही होगी। शिकायतकर्ता विक्रम कटारा ने बताया कि, राजस्व का कानून भी अजीब है यहां डुप्लीकेट पावती बिना खातेदारों की सहमति के नही बनती, लेकिन बिना खातेदारों की सहमति के भूमि बिक्री की राजस्ट्री भी हो जाती है और नामान्तण भी हो जाता है। लिखित शिकायत पर भी आज तक सुनवाई नही हुई है।

ऐसे कई मामले लगातार सामने आ रहे हैं जिससे पता चलता है कि, मुख्यमंत्री की सीएम हेल्पलाइन पर अब आम जनता को न्याय नही मिल पाएगा ओर 181 लोगो को गुमराह करने के लिए रह गई है।

# नानसिंह चौहान के साथ नागू भी नंगा...

# हेल्लो, लो साहब से बात करो- मैं सीईओ पेटलावद, शिकायत झूठी हुई तो तुम्हारे खिलाफ होगी कार्रवाई...!

पत्थरो से भरी नीव व घटीया निर्माण का प्रमाण देता अधूरा भवन निर्माण।

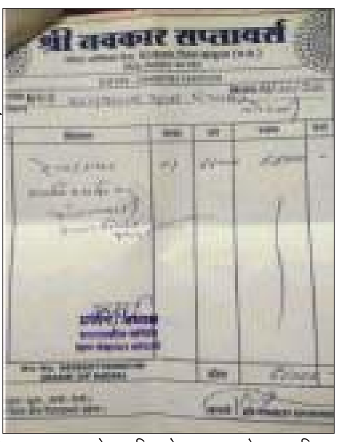

66 हजार रूपए रेत का बिल जो बाजार मूल्य के बहुत अधिक है।

4 ट्रिप के 4-4 हजार रूपए की दर से 16 हजार की जगह 20 हजार का बिल लगाकर भ्रष्टाचार का आयाम गढा।

50 किमी दुर झकनावदा से कोदली तक ढुलाई निर्माण सामग्री का उल्लेख नहीं।

**माही की गूंज, झाबुआ।**

जिले में एक नहीं ऐसे कई अधिकारी आए होंगे जिन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया होगा, यह हम नहीं कहते। लेकिन पेटलावद जनपद में पदस्थ सीईओ नानसिंह चौहान के भ्रष्टाचार करने की अपनी एक कहानी अन्य से अलग लिखी जा सकती है, यह सही है। अपने भ्रष्टाचार की नीव को पेटलावद जनपद क्षेत्र के 77 ही पंचायतों में भ्रष्टाचार की ऐसी पीठ जमा ली की, उन्होंने उनके ट्रांसफर होने के बाद ऐसे मरोड़े आने लगे कि, अपने अधिकार का उपयोग कर न्यायालय से स्टे लाकर पेटलावद में ही कार्यरत होकर अपने भ्रष्टाचार का आयाम गढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यहां तक कि साहब के अधिकार का उपयोग करने का आशय ये ही रहा कि, यहां पर अपने भ्रष्टाचार की अपनी एक कहानी लिखना चाहते है। नतीजन चौहान साहब के यहां से रिलीव नहीं होने के कारण यहां पर ट्रांसफर हुए राजेश बहोती चार्ज नहीं ले पाए और वे भीकनगांव में प्रताड़ित होते रहे और अपनी जान गंवा दी। चौहान साहब की बात करें तो इसमें भी अपनी एक कहानी रच दी।

यह तो सही है कि, ग्राम पंचायतों में जो भी राशि आहरण होती है वह संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ की जानकारी में होकर उनके हस्ताक्षर के बाद ही राशि का आहरण व बिल पास होते हैं। जनपद पंचायत पेटलावद की बात करें तो यहां पदस्थ अपने भ्रष्टाचार की अपनी एक नई कहानी लिखने वाले नानसिंह चौहान अपने अधीनस्थ अधिकारी एवं पंचायत स्तर पर सचिव-सरपंच को भ्रष्टाचार खुले रुप से करने की अनाधिकृत रूप से परमिशन देकर, अपने कमीशन को बढ़ाकर खुलेआम भ्रष्टाचार करवा रहे हैं। अगर कोई शिकायत करता है तो, सचिव-सरपंच का संरक्षक बनकर अपने आप में भ्रष्टाचार की गंगा में नंगे हुए चौहान शिकायतकर्ता को धमकाने में भी पीछे नहीं हट रहे हैं।

ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत कोदली में किए जा रहे भ्रष्टाचार की शिकायत जनपद सीईओ चौहान से की, लेकिन भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी लगाकर नंगे हो चुके चौहान साहब की ओर से कोई जांच प्रक्रिया नहीं करने पर ग्राम के सजग नागरिक गौरसिंह कटारा ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की।

### शिकायत झूठी हुई तो शिकायतकर्ता पर होगी कार्रवाई- सीईओ चौहान

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद ग्राम पंचायत कोदली के सचिव से लेकर सीईओ भी हरकत में आए और सीईओ ने जनपद पंचायत कार्यालय पर ही सचिव को बुलाकर यह साबित किया कि, वे भ्रष्टाचार की इस गंगा में किस निचले स्तर पर नंगे होकर नदी में उतर चुके हैं। सचिव नागु ने कार्यालय में बैठ अपने फोन से फोन लगाया, शिकायतकर्ता के फोन उठाते ही... हेल्लो... लो साहब से बात करो... कहकर सचिव ने अपना फोन भ्रष्टाचार को बढावा देने वाले आका नानसिंह चौहान को थमा दिया और साहब शिकायतकर्ता को पूछते हैं... सीएम हेल्पलाइन में काहे की शिकायत करी...? क्या समस्या है उसका निराकरण करे न...? क्या चाहते हैं, क्या नहीं हुआ काम...?

यहां तक कि अपना परिचय ही शिकायतकर्ता को नहीं दिया, जिस पर शिकायतकर्ता ने सीधे पूछ लिया आप कौन से सर बात कर रहे हैं। जिस पर, सीईओ बोल रहा हूं जनपद पंचायत पेटलावद से। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने कहा, शिकायत पर जाकर कार्य की जांच करो और जितने भी बिल लगे हुए हैं उनको भी चेक कर जांच करो, मैंने शिकायत करी तो मैं पूरा प्रूफ बताऊंगा, शिकायतकर्ता ने साहब से कहा। जिस पर साहब की हवा निकल गई और उनकी बातों से स्पष्ट हो रहा है कि, साहब सीधे तौर पर कहते रहे, काम हुआ है तो बिल तो लगे हुए है पर आपको क्या समस्या है...?

साहब शिकायतकर्ता को किस समस्या से समाधान करवाना चाह रहे थे पता नहीं, वह तो साहब ही जाने। पर जब साहब के पास कोई जवाब नहीं मिला तो सीधे तौर पर कह दिया, शिकायत सही हुई तो सचिव-सरपंच पर कार्रवाई कर दे... या फिर झूठी शिकायत पर शिकायतकर्ता पर कार्रवाई कर दें...? कहा और बिल की जांच नहीं करेंगे कह दिया। पर शिकायतकर्ता ने एक और साहब की नस पकड़ते हुए पूछ लिया, साहब आप कभी कोदली पंचायत में आए थे... तो साहब ने कहा, हां तो देख लेंगे कहकर फोन काट दिया।

साहब आपकी इन बातों से ही स्पष्ट होता है कि, आपके निर्देशन में किए गए सचिव-सरपंच द्वारा भ्रष्टाचार में अब शिकायत होने के बाद आप सचिव व सरपंच के संरक्षक बन उन्हें किसी भी तरह से बचा लेंगे कि निती स्पष्ट हो गई है, हम लिखने की भी आवश्यकता नहीं है। अगर शिकायतकर्ता झूठा है तो हम खुद शिकायतकर्ता के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए कहेंगे, पर साहब आप कोदली पंचायत में आठ लाख की लागत से बन रहे आंगनवाड़ी भवन की गुणवत्ता व आपके मार्गदर्शन में निर्माणाधीन भवन के कार्य हेतु जो राशि निकाली गई उन बिलों की ही जांच करवा ले, अगर आप अपने आपको कहते हैं मैं भ्रष्ट नहीं हूं तो, यह कार्य आपको भ्रष्टाचारी से सत्यवादी बना सकता है। बैशर्त आपके द्वारा निष्पक्ष जांच कर सरपंच-सचिव के विरुद्ध उनके द्वारा ही भ्रष्टाचार किया गया है स्पष्ट कर उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाकर उनसे राशि वसूली जाती है, तो ही आप अपने दाग धोने में सफल हो सकते हैं अन्यथा नही...।

साहब आप 2019 से निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवन की गुणवत्ता के साथ उसमें लगे बिल जिसमें 86 हजार रूपए की रेत उपयोग की गई है पर अभी तक छत भी नही भरी गई है और एक डंफर का मूल्य 66 हजार रुपए में रेत खरीदी की है, जो आज की तारीख के हिसाब से भी बाजार मूल्य से डेढ़ से दोगुना रेट लगाया है, यह खुले रूप से सार्वजनिक हो रहा है। इतना ही नहीं इस भ्रष्टाचार के खेल में 4 ट्राली रेत प्रति ट्राली 4 हजार रूपए के भाव से खरीदना बिल में बताया जा रहा है। झाबुआ जिले में कोई भी निरक्षर जिसे अक्षर का ज्ञान नहीं है वह भी 4 हजार के भाव से 4 ट्राली रेत की किमत से 16 हजार रूपए जोड़कर बता सकता है, लेकिन आपके मार्गदर्शन में साहब 16 हजार की जगह 20 हजार रूपए का बिल बनाकर सचिव-सरपंच द्वारा राशि को आहरण करना दर्शा रहा है।

वही कोदली से करीब 50 किलोमीटर दूर झकनावदा से श्रेणिक कुमार कोठारी नाम का बिना टिन नंबर वाला बिल 11 हजार पांच सौ रुपए सामग्री ढुलाई के कार्य का लगाकर फर्जी रूप से राशि आहरण की गई, जबकी ढुलाई किस सामग्री की करवाई गई नहीं दर्शा रखा है। जिस पर यह भी सवाल उठता है कि, आखिर खोदली के आस-पास कौन सी वह सामग्री थी जो नहीं मिल रही थी और करीब 50 किलोमीटर दूर झकनावदा से वह सामग्री मंगवानी पड़ी।

चौहान साहब एक अनपढ़ को भी उक्त भ्रष्टाचार की जांच सौंप दी जाए तो वह एक दिन में ही जांच कर पूरे भ्रष्टाचार का खुलासा कर देगा। पर फिर भी अब देखना है साहब आप तो पढ़े-लिखे ज्ञानी हैं ज्ञान को किस दिशा में ले जाकर अपने चरित्रता कों पेश करते हैं, यह तो आगे ही पता चलेगा।

जनपद कार्यालय में बैठकर सचिव के फोन से सीईओ चौहान ने शिकायतकर्ता से की बात को सुने क्युआर कोड स्कैन कर।

गूंज कार्यालय से सीईओ चौहान से मामले में शिकायतकर्ता के खिलाफ या ग्राम पंचायत कोदली के सरपंच-सचिव किसके विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है, कि जानकारी मांगने हेतु मंगलवार को 7974869025 पर फोन कर जानकारी लेना चाही, तो साहब ने फोन उठाकर कहा, मैं मिटींग से फ्रि होकर फोन लगाकर बात करता हुं, पर साहब ने दुसरे दिन समाचार लिखे जाने तक भी फोन लगाकर कोई जानकारी नहीं दी।

# रात के अंधेरे में चोरी छुपे टोल चालू करना कहा तक उचित?

## जनता की जेब पर डाका डाल रही भाजपा सरकार- विजय भाबर

**माही की गूंज, झाबुआ।**

एक तरफ पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान पर जा रहे है, वही बढ़ती महंगाई के दौर में अब झाबुआ से मेघनगर के बीच अनास नदी के पास रातो-रात टोल बेरियर लगाकर टोल वसूली करना कहीं न कहीं आम जनता की जेब ओर डाका डालने के समान है। एमपीआरडीसी ने अचानक रातो-रात झाबुआ-मेघनगर रोड पर अंतरवेलिया में और रतलाम रोड पर दो नए टोल स्थापित किए, जबकि दोनो ही मार्ग राज्य मार्ग या राष्ट्रीय मार्ग के अंतर्गत नही आने के बावजूद अचानक से टोल संचालित किया जा रहा है जो समझ से परे नजर आ रहा है। अचानक आरंभ हुए इन टोल को लेकर प्रतिदिन इस मार्ग से सफर करने वाले छोटे एवं बड़े वाहन चालकों में असमंजस भरी स्थिति है। दोनो ही मार्गो पर वाहनों की कतार देखने को मिल रही है। युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय भाबर ने बताया कि, जब रोड ही सही नही है और रातो-रात इस तरह से टोल वसूली करना भाजपा शासन में लोगो की जेब काटने के समान है। मामूली रोड पर भी अब इस तरह से टोल लिया जाएगा तो जनता तो मर जाएगी, हम इस टोल का विरोध करते है। इस पर युथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष अरुण ओहारी ने बताया, 6 वर्ष से रोड बना हुआ है जब कोई टोल नही था रोड पर गड्डे बड़े-बड़े है न ही रोड सही है, उसके बाद भी टोल वसूला जारा है उसका हम पुर जोर विरोध करते है। जब रोड ही सही नही है तो टोल किस बात का। बुधवार को युथ कांग्रेस ने अंतरवेलिया जाके टोल पर धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में युथ कांग्रेस ज़िला महासचिव नटवर, विधानसभा उपाध्यक्ष अरुण ओहारी, एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष रोशन बारिया, अमित ललवानी, मुकेश कतीजा, राजा कुरेशी, राजा मानसिंह, किल्लू भूरिया, राहुल, सुनील, अनसिंह वसुनिया, दरियाव, मोहन आदि कार्यकताओं उपस्थित थे।

# वाहन चोर सक्रिय, पुलिस गश्त की खुली पोल, एक के बाद एक चार दुपहियां वाहन चोरी

## वाहन चोरी की घटना को हल्के में लेती पुलिस, सीसीटीवी में कैद चोर भी नही पकड़ पाती पुलिस

**माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत**

इन दिनों नगर में दुपहिया वाहन चोर गिरोह सक्रिय हैं, जो एक बाद एक, 4 दुपहिया वाहन चुरा ले गए। वाहन चोरी की एक वारदात को अंजाम देने में चूक सम्भव है और भी वारदातों को अंजाम दिया गया होगा जिसकी जानकारी समाचार लिखे जाने तक हम तक नही पहुँची, वही मामला दर्ज होने तक पुलिस भी वास्तविक जानकारी उपलब्ध नही करा रही हैं। नगर सहित क्षेत्र में बदमाश कितने बेखौफहैं इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि, रात के अंधेरे में बाइक चोरी की वारदात करते हैं। ये बदमाश चोरी की बाइक पर सफर करते हैं, इनकी तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड भी हो जाती है, लेकिन घंटों गुजर जाने के बाद भी पुलिस को इनका कोई सुराग नही मिलता।

मिली जानकारी अनुसार अम्बिका चौक अम्बे माता मंदिर के सामने से तीन अज्ञात बदमाश चेतन जैन के घर के बाहर खड़ी बाइक को हैंडल लॉक तोड़कर ले गए, इस दौरान पुलिस की आवाजाही लगी रही लेकिन उनका ध्यान नही गया। अन्य दूसरी घटना वडलीपाड़ा में हुई जहाँ से बदमाश वाहन चोरी करने में कामयाब रहे जबकि तीसरी वारदात शीतला माता चौक पर हुई, यहां से भी बदमाश बाइक ले भागे, लेकिन पुलिस वाहन बाइक के पीछे पड़ा और बाइक बन्द हो गई तो बदमाश गाड़ी छोड़कर दूसरी गाड़ी पर बैठकर भाग गए। बताया जा रहा है, डायल 100 ने उनका पीछा भी किया, लेकिन बदमाश भागने में सफल हो गए। तीनों घटना 11 व 12 जुलाई रात्रि की है।

मौके पर बदमाश चप्पल छोड़ गए।

स्कूल के पीछे हैंडल लॉक तोड़कर दोनों वाहनों की नम्बर प्लेट वही छोड़ गए।

कीचड़ में से बाइक उठाकर ले जाने के निशान।

### अगली रात फिर हुए दो वाहन चोरी। कीचड़ में उठा कर ले गए बाइक

इससे पहले की पुलिस कुछ समझ पाती और बदमाशों तक पहुँचने के बारे में सोचती भी, 12 व 13 जुलाई की रात्रि को बदमाशो ने नगर के बामनिया रोड से दो बाइक उड़ा ली जिसकी सूचना पुलिस दी गई। मौके को देखकर पता चला कि, बदमाशों की संख्या चार से पाँच रही होगी जिन्होंने वाहन को कीचड़ में से उठाकर निकला ओर आदर्श स्कूल के पीछे जाकर गाड़ी के लोक तोड़कर दोनों वाहन की नम्बर प्लेट वही फेंक कर निकल गए। मौके पर बदमाश चप्पल तक छोड़ गए जो संभवतः कीचड़ में गढ़ जाने के कारण छोड़नी पड़ी होगी। पेटलावद के बामनिया रोड निवासी दादूजी वसुनिया के घर के बहार खड़ा दुपहिया वाहन क्रमांक एमपी 45 एमजी 2638 ओर घर के पीछे के हिस्से में रहने वाले पेंटर राजाराम पिता भगीरथ बामनिया का दुपहिया वाहन क्रमांक एमपी 45 एमएफ 1823 एक साथ चुरा कर ले गए। वाहन मालिकों को चोरी की जानकारी सुबह लगी। खोज खबर करने पर दोनों वाहनों की नम्बर प्लेट ओर वाहन के लॉक तोड़ने के सबूत भी मिले जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। नगर में लगातार होती वाहन चोरी की घटना के बाद पुलिस का कहना है कि, इस चोर गिरोह को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। जबकि इससे पहले बीते एक से दो वर्षों में वाहन चोरी की बीसियों वारदातों का आज तक खुलासा नही हुआ है या फिर वाहन चोरी की घटना को लेकर पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय है।

## एनएचपीएस के संचालक के डिफाल्टर के कारण सजा भुगत रहे मासूम विद्यार्थी

# मान्यता खारिज होने पर डमी एडमिशन करवा कर परीक्षा दिलवाने वाला बैरागी कोरोना काल में भी पालक की जेब पर मार रहा डाका

**माही की गूंज, खवासा। विजय पाटिदार**

जहां कोविड-19 के चलते बीमारी के साथ आमजन अर्थव्यवस्थाओं से भी जूझ रहे हैं। वही कोरोना काल के चलते दूसरे वर्ष भी स्कूली व्यवस्था चरमराई हुई है ओर शासन के निर्देश के साथ स्कूल बंद ही है, तो वहीं कुछ स्कूल संचालक ऑनलाइन पढ़ाई के नाम पर पालकगण की जेब में डाका डालने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। दूसरी ओर कुछ प्राइवेट स्कूल के संचालक सरकार के आगामी आदेश का इंतजार कर स्कूली गतिविधियों को विराम मोड़ पर रख रखा है।

ऐसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आरईएस विभाग में बाबू के पद पर कार्य कर चुका डिफाल्टर अरविंद बैरागी न्यू हाइट्स पब्लिक स्कूल (एनएचपीएस) खवासा का संचालककर्ता अपनी स्कूल खुलने की शुरुआत से ही अपने स्वार्थ रूपी नियत को प्रदर्शित कर बच्चों के एडमिशन के साथ ही बच्चों को स्कूली जूते-मोजे, बेग, कॉपी-किताबे, यूनिफॉर्म आदि स्कूल से ही वितरित कर अपनी कमाई का जरिया बनाया। शिकायतें होने के बाद अपनी व्यवस्थाओं को परिवर्तित किया। लेकिन कहते हैं बदनियती से कार्य करने वाला सदैव डिफाल्टर ही होता है और यहां भी कुछ ऐसा ही हुआ। एनएचपीएस स्कूल का संचालन करने वाला अरविंद बैरागी एक डिफाल्टर होने पर अरविंद बैरागी का नुकसान कुछ नहीं हुआ पर उसका हर्जाना स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ पालकगण को भी भुगतना पड़ रहा है।

### पिछले दो वर्ष से मान्यता हो चुकी निरस्त

बता दें कि, पिछले 2 वर्ष से डिफाल्टर होने के कारण हाई व हाई सेकेंडरी स्कूल की परमिशन रद्द हो चुकी थी, बावजूद प्रथम वर्ष कुछ प्रतिष्ठित लोगों का सहारा लेकर स्थानीय सत्य साईं कान्वेंट स्कूल से आग्रह कर मदद मांगी कि, एनएचपीएस स्कूल के हाई व हाई सेकेंडरी स्कूल के बच्चों के डमी एडमिशन कर ले, आपका यह एहसान कभी नहीं भूलेंगे, प्रभुत्वजनों की बात मान सत्य साईं स्कूल में संचालक द्वारा एडमिशन देकर उनके परीक्षा फॉर्म भरवा दिए गए। वही सभी बच्चों की स्कूल फीस एनएचपीएस स्कूल के संचालककर्ता अरविंद बैरागी ने अपनी ही स्कूल में बच्चों को पढ़ाकर स्कूल फीस पुरी वसूल कर ली परंतु सत्य साईं कान्वेंट स्कूल के संचालक को बोर्ड परीक्षा फीस भी समय पर नहीं देने के कारण, बदनामी व आर्थिक नुकसान दोनों से बचने के लिए 2020-21 में बच्चों के एडमिशन व रेगुलर नहीं कर सभी बच्चों की एसएलसी निकाल कर एनएचपीएस स्कूल के संचालक बैरागी को दे दी। तथा 2020-21 सत्र के लिए पेटलावद की शारदा स्कूल से एडमिशन लेने हेतू संपर्क किया तो पेटलावद की शारदा स्कूल के संचालक राजेश पालीवाल ने मना करते हुए कहा, बच्चे एनएचपीएस स्कूल में पढ़ाई करें और उनका एडमिशन यहां करवाएं, ऐसे डमी एडमिशन करने से सख्त मना कर दिया। जिसके बाद कई जगह हाथ-पैर जोड़ बच्चों के एडमिशन करवाने का प्रयास किया पर इस बार किस स्कूल से बच्चों की मार्कशिट बनकर आएगी यह बच्चों या पेरेंटस को पता नही है, वही बुधवार को 10वीं एमपी बोर्ड के रिजल्ट घोषित होने के बाद बच्चों ने स्कूल शिक्षकों से रोल नंबर मांगे तो भी नहीं दिए और कहा, पेटलावद से रिजल्ट बनकर आएंगे पर स्कूल का नाम नहीं बताया। वहीं गूंज ने अन्य एक पेटलावद की सफलता स्कूल में भी चर्चा की तो संचालक गोपाल चौधरी ने कहा हमारी स्कूल में एडमिशन नहीं किया गया है। माही की गूंज अगले अंक में खुलासा करेगी कि, आखिर किस स्कूल मे अपनी बदनियती के साथ डिफाल्टर अरविंद बैरागी ने बच्चों के एडमिशन करवाए थे।

### यहां भी बैरागी है डिफाल्ट

इसी तरह रतलाम के बुक सेलर और यूनिफार्म सिलवाए टेलर के पास भी डिफॉल्ट होने के कारण एक-दो वर्ष में ही प्राइवेट बुक्स का परिवर्तन कर देता है, तो वही यूनिफार्म भी बदल देता है। जिसका हर्जाना विद्यार्थियों के साथ उनके पालकगण को भी भुगतना पड़ रहा है।

### कोरोना काल में भी बदली किताब

इस वर्ष भी अपने डिफाल्टर होने के कारण रतलाम के पुराने होलसेल बुक सेलर को छोड़ इस कोरोना काल में कक्षा पहली से ही एडमिशन के साथ ऑनलाइन पढ़ाई के नाम पर बच्चों की किताबें खरीदवाई जा रही है और इस बार भी अपने डिफाल्टर होने के कारण रतलाम के ही नए होलसेल बुक सेलर से संपर्क कर इस कोरोना काल की विकट स्थिति में भी जहां सरकार के द्वारा स्कूलों को खोलने के आदेश भी नहीं है, इस दौर में भी कक्षा पहली से ही ऑनलाइन पढ़ाई के नाम पर मोटी एमआरपी वाली प्राइवेट किताबों का चयन कर पालकों की जेब में डाका मार रहा है, लेकिन डिफाल्टर बेशर्म बैरागी को अपने निजी स्वार्थ के आगे कुछ भी नहीं दिखाई दे रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422